मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 286
शुक्रवार, 09 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जमीन और आसमान के बाद अब पानी से हमला, INS विक्रांत ने पाकिस्तान पर बरपाया कहर

नई दिल्ली, 08 मई। भारत के चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में एक नया वॉर फ्रंट खुलता नजर आ रहा है। अब भारतीय वायु सेना, थल सेना के बाद नौसेना की भी एंट्री हो गई है। कराची के कुछ हिस्सों को निशाना बनाया है। अरब सागर में तैनात आईएनएस विक्रांत ने कराची को निशाने पर लेकर भारी तबाही मचानी शुरू कर दी है। नौसेना के हमले से कराची के बंदरगाह समेत शहर में भारी आग लगी हुई है। कराची और ओरमारा बंदरगाह पर दागी गई मिसाइलें। इस घटनाक्रम पर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारत की मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों ने गुरुवार रात पाकिस्तान द्वारा किए गए एक संगठित हवाई हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया, जिसमें जम्मू और पश्चिमी सीमा के पास कई सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था। ड्रोन और मिसाइलों से किए गए इस हमले के कारण जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में व्यापक ब्लैकआउट और सायरन बजने लगे, जिससे अधिकारियों को निवासियों को घर के अंदर रहने और आपातकालीन प्रोटोकॉल के तहत सतर्कता बरतने के लिए तत्काल सलाह

जारी करनी पड़ी। एकीकृत रक्षा स्टाफ (आईडीएस) ने पुष्टि की है कि जम्मू और उधमपुर सहित लक्षित सैन्य स्टेशनों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। आईडीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ₹जम्मू और कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट जम्मू, पठानकोट और उधमपुर के सैन्य स्टेशनों को पाकिस्तान ने मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग करके निशाना बनाया। कोई नुकसान नहीं हुआ। गतिज और गैर-गतिज साधनों के साथ एसओपी के अनुसार भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा खतरे को बेअसर कर दिया गया। सूत्रों से पता चलता है कि भारतीय वायु रक्षा ने जम्मू हवाई अड्डे के पास तैनात कई ड्रोन को प्रभावी ढंग से बेअसर कर दिया, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसके अलावा, मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, जम्मू के आसपास के क्षेत्र में आठ मिसाइलों को रोका गया और सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया।

अमित शाह ने अर्धसैनिक बलों के डीजी से की बात, एयरपोर्ट को लेकर भी एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, 08 मई। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के मध्य नजर अमित शाह ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के डिग्री से बात की है। इसके साथ ही अमित सैनी सीआईएसएफ के डिग्री से भी बातचीत की है। दूसरी ओर एयरपोर्ट को लेकर भी एडवाइजरी जारी कर दी गई है। यात्रियों से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पर पहुंचने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने देश भर के सभी एयरलाइनों और हवाई अड्डों को सुरक्षा उपाय बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सभी हवाई अड्डों पर सभी यात्रियों की सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेकिंग (एसएलपीसी) की जाएगी। टर्मिनल बिल्डिंग में आगंतुकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। तदनुसार एयर मार्शल की तैनाती की जाएगी।

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान में भारत के कई शहरों में अटैक करने की कोशिश की है। पाकिस्तान की ओर से शहरी क्षेत्रों को निशाना बनाया जा रहा है। इसमें पठानकोट उधमपुर जम्मू अखनूर जैसलमेर जैसे शहर शामिल है। पाकिस्तान की ओर से जम्मू और पठानकोट एयर बेस को निशाना बनाया गया। लेकिन भारत ने पाकिस्तान के तमाम ड्रोन को मार गिराया है इतना ही नहीं खबर यह भी है कि पाकिस्तान के I16 जेट विमान को भी भारत ने नष्ट कर दिया है। हालांकि पाकिस्तान की हरकतों को देखते हुए इन शहरों में पहले से ही ब्लैकआउट कर दिया गया था। आपको बता दे कि आज भारत में कार्यवाही करते हुए पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था। बावजूद इसके पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है फोन मिला पाकिस्तान राजस्थान के शहर जैसलमेर को भी निशाना बनाने की कोशिश की है। लेकिन सभी जगह पर पाकिस्तानी ड्रोनेस को मार गिराया जा रहा है ।

भारत ने पाकिस्तानी पायलट को जिंदा पकड़ा, फाइटर जेट के साथ सीमा में था घुसा

कश्मीर। भारत ने एक पाकिस्तानी पायलट को पकड़ा है। जम्मू-कश्मीर के अखनूर इलाके में लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद पाकिस्तानी पायलट को हिरासत में लिया गया। वह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है, क्योंकि अब नई दिल्ली को उसे पाकिस्तानी हमले के सबूत के तौर पर दिखाना होगा। दूसरी बात, पूछताछ के बाद उक्त पाकिस्तानी पायलट पाकिस्तानी वायुसेना और पाकिस्तानी सेना की योजना और रणनीति के बारे में विस्तार से बता सकेगा।

यह घटना भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है, जिसमें पाकिस्तान की ओर से कई ड्रोन और मिसाइल हमले और भारत द्वारा सीमा पार आतंकवादी ढाँचे को निशाना बनाकर जवाबी हवाई हमले शामिल हैं। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है, और इस समय भारतीय सशस्त्र बलों या रक्षा मंत्रालय की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

भारत का काउंटर अटैक शुरू, लाहौर पर दागी मिसाइलें

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने अपनी तबाही की कहानी खुद ही लिख दी है। भारत की पॉलिसी रही है कि वह पहले किसी पर हमला नहीं करेगा लेकिन अगर उसे पर हमला हुआ तो वह छोड़ेगा नहीं। पाकिस्तान के खिलाफ भारत में जवाबी हमला शुरू कर दिया है। खबरों के अनुसार पाकिस्तान के लाहौर पर हमला कर दिया है। लाहौर पर ड्रोन से हमला किया गया है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। सुरक्षा कारणों ने सवेंदनशील जानकारी नहीं जाहिर की गई है।

भारत में इससे पहले अमेरिका के एफ 16 को मार गिराया। इसके बाद चीन के के 17 विमान को भी मार गिराया गया वहीं जैसलमेर में पाक का स्वारम अटैक को भी नाकाम किया गया है। भारत ने अहअउर को भी मार गिराया है।

भारतीय कृषि को आर्थिक रूप से लाभप्रद बनाने के लिए समाधान खोजने की जरूरत: गडकरी

नई दिल्ली, 08 मई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय कृषि को आर्थिक रूप से लाभप्रद बनाने की जरूरत है क्योंकि देश को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि भारत की कृषि को ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर विविधता देने की जरूरत है, क्योंकि देश में खाद्यान्नों के भंडारण की पर्याप्त क्षमता नहीं है।

ग्रामीण और आदिवासी भारत में रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने की भी जरूरत है, क्योंकि ये क्षेत्र गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मंत्री ने कहा, भारतीय कृषि आर्थिक रूप से बहुत लाभप्रद नहीं है। अब, यह वह समय है जब हमें यह समाधान खोजने की आवश्यकता है कि हम अपनी खेती को आर्थिक रूप से लाभप्रद कैसे बना सकते हैं।

उन्होंने कहा, इसके बिना, हम आत्मनिर्भर भारत नहीं बना सकते। मौजूदा स्थिति में, गडकरी ने कहा कि बड़ी समस्या यह है कि भारत के पास खाद्यान्न, चावल, गेहूं और चीनी का अधिशेष स्टॉक है।

उन्होंने कहा, और ये वे समस्याएं हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं... हमें यह पता लगाने की आवश्यकता है कि किसानों को लाभकारी मूल्य कैसे मिलेगा। गडकरी ने बताया कि जैव ईंधन के लिए एक अच्छा बाजार बनाकर, भारत जीवाश्म ईंधन की मांग को कम करने जा रहा है।

बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर हमास शैली की मिसाइलें बरसाई, भारत से सभी को हवा में ही मार गिराया

जम्मू, 08 मई। जम्मू के कई इलाकों के साथ-साथ राजस्थान और पंजाब के कुछ हिस्सों में गुरुवार को ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए, जो भारत द्वारा पाकिस्तानी आतंकी शिविरों पर हमले किए जाने के ठीक एक दिन बाद एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दशार्ता है। भारत ने हमलों का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए एक पाकिस्तानी ऋ16 लड़ाकू विमान और संभवतः एक खऋ 17 को मार गिराया, साथ ही अन्य प्रोजेक्टाइल को भी रोका, जबकि एक ड्रोन ने जम्मू सिविल एयरपोर्ट पर हमला किया। इसके अतिरिक्त, ड्रोन को रोका गया, और पठानकोट और जैसलमेर में विस्फोटों की सूचना मिली।

रक्षा सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान जम्मू में कई इलाकों को निशाना बनाने के लिए हमास शैली की मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि जम्मू के ऊपर के दृश्य बिल्कुल हमास शैली के इजरायल पर हमले की याद दिलाते हैं, जैसे कई सस्ते रॉकेट। पाकिस्तानी सेना एक आतंकी संगठन हमास की तरह काम कर रही है और व्यवहार कर रही है। पिछले महीने ऋक और हमास ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में मुलाकात की थी। रक्षा सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू के सतवारी, सांबा,

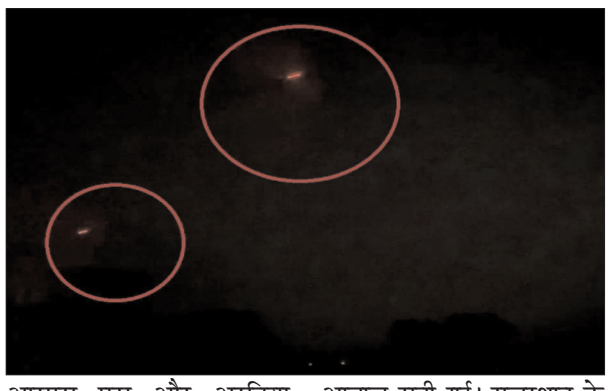

आरएस पुरा और अरनिया सेक्टरों पर आठ मिसाइलें दागीं, और सभी को वायु रक्षा इकाइयों ने रोक दिया और रोक दिया। उधमपुर में भी भारतीय वायु रक्षा ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोका, जिसके बाद विस्फोटों की आवाज सुनी गई। राजस्थान के जैसलमेर में भारतीय वायु रक्षा ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोका। विस्फोटों की आवाज सुनी गई और आसमान में चमक दिखाई दी। राजस्थान के बीकानेर और पंजाब के जालंधर में पूरी तरह से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है। किश्तवाड़, अखनूर, सांबा, जम्मू और अमृतसर, जालंधर में भी ब्लैकआउट लागू किया गया है। रक्षा सूत्रों ने कहा, जम्मू के ऊपर के दृश्य बिल्कुल इजरायल पर हमास स्टाइल के हमले की याद दिलाते हैं। जैसे कई सस्ते रॉकेट।

उन्होंने कहा कि, पाकिस्तानी सेना एक आतंकवादी संगठन हमास की तरह काम कर रही है और व्यवहार कर रही है। यह तुलना ऐसे समय में की गई है जब आतंकवादी नेटवर्क और पाकिस्तान के सरकारी अभिनेताओं के बीच क्षेत्रीय सहयोग जांच के दायरे में है।

ऑपरेशन सिंदूर : अधर्म के विरुद्ध धर्मयुद्ध का आह्वान, योगिनी गुरु मां राधा सरस्वती

सुरेश गांधी

वाराणसी ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, यह उस सनातन चेतना की पुकार है जो अन्याय, अधर्म और स्त्री अपमान के विरुद्ध उठ खड़ी होती है। यह अभियान प्रतीक है उस धर्मयुद्ध का, जो केवल प्रतिशोध नहीं बल्कि धर्म, सम्मान और मानवता की विजय का उद्घोष करता है। यह बाते महामंडलेश्वर योगिनी गुरु मां राधा सरस्वती जी महाराज जी ने कही. वे गुरुवार को पत्रकारों से बात कर रही थी.

सनातन परंपरा में सिंदूर केवल एक वैवाहिक चिह्न नहीं है। यह देवी शक्ति की उपस्थिति, स्त्रीत्व की दिव्यता और जीवन के सृजन की शक्ति का प्रतीक है। जब किसी नारी के सिंदूर को मिटाया जाता है, तो वह केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि समस्त सृष्टि के संतुलन पर प्रहार

होता है। ऑपरेशन सिंदूर उसी संतुलन को पुनर्स्थापित करने का प्रयास है।

२८ वीरांगनाओं की शहादत का यह अपमान केवल सैनिक परिवारों की वेदना नहीं, यह सम्पूर्ण भारतवर्ष की आत्मा पर चोट है। इतिहास साक्षी है – यह वही भूमि है जहाँ स्त्री सम्मान के लिए महाभारत जैसे महासंग्राम हुए। हमने द्रौपदी के अपमान पर कुरुक्षेत्र रचा था, आज भी यदि कोई सिंदूर को मिटाने का दुस्साहस करता है, तो उसे प्रतिकार का उत्तर उसी परंपरा से मिलेगा।

यह युद्ध आतंक के विरुद्ध न्याय का स्वरूप है। यह माँ दुर्गा के उस रूप से प्रेरित है, जो असुरों के विनाश के लिए उदित होती हैं। यह रण केवल गोली और बारूद का नहीं, यह मूल्य, मयार्दा और मानवता की रक्षा का रण है। हर सैनिक जो इस ऑपरेशन का हिस्सा है, वह केवल वदीर्धारी योद्धा नहीं, वह राष्ट्रधर्म का रक्षक, मातृशक्ति का पूजक और सनातन संस्कृति का प्रहरी है। ऑपरेशन सिंदूर एक संदेश है उन सबके लिए जो स्त्री को अबला समझने की भूल करते हैं – यह धरती शक्ति की उपासक है, यहाँ की नारी दुर्गा है। जय हिन्द की सेना – यह नारा अब सिर्फ गर्व नहीं, बल्कि संकल्प है कि हम हर उस अंधकार का अंत करेंगे, जो हमारे देश, संस्कृति और नारी सम्मान को ललकारेगा।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
Medi Assist STAR
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तानी एफ-16 जेट और 2 जेएफ-17 को मार गिराया

कश्मीर, 08 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच मिसाइल अटैक तेजी के साथ शुरू हो चुके हैं। पाकिस्तान ने भारतीय बॉर्डर से जुड़े क्षेत्रों में भारी मिसाइल हमले किए जिसे भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने आसमान में ही ध्वस्थ कर दिया हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि इस्लामाबाद द्वारा जम्मू और पंजाब में कई स्थानों पर हमले किए जाने के बाद भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के एफ-16 और दो जेएफ-17 विमानों को मार गिराया। सूत्रों ने बताया कि भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अंदर

स्थित एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अहअउर) को भी मार गिराया, जो उनकी सीमा में गिरा।

इस बीच, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और राजस्थान के जैसलमेर में ड्रोन हमलों को भी नाकाम कर दिया गया और अखनूर में एक ड्रोन को मार गिराया गया। पुंछ में दो कामिकेज ड्रोन को भी मार गिराया गया। एक बड़ी झड़प में, पाकिस्तान ने जम्मू में हवाई अड्डे सहित कई स्थानों पर एक साथ हमला किया। गुरुवार रात को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से जम्मू पर रॉकेट दागे गए।

एक ड्रोन ने जम्मू सिविल एयरपोर्ट को निशाना बनाया, जिसके जवाब में लड़ाकू विमानों को भागना पड़ा। भारत ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय किया, जिसने आने वाले रॉकेटों को सफलतापूर्वक रोक दिया। पाकिस्तानी सैनिकों ने गुरुवार देर शाम जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुल्ला, पुंछ, सांबा और उरी जिलों में नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के गोलाबारी की।

मां धरती पर विधाता की प्रतिनिधि यानी देवतुल्य है

-ललित गर्ग

विश्व मातृ दिवस- 11 मई, 2025

मदर्स डे या मातृ दिवस एक ऐसा महत्वपूर्ण एवं संवेदनात्मक दिन है जो हमें अपनी माताओं के प्यार और बलिदान के लिए धन्यवाद देने और उन्हें सम्मान देने का अवसर देता है। जननी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का तथा मातृशक्ति की अभिवंदना का यह एक स्वर्णिम अवसर है। माँ की महिमा को उजागर करने का ऐतिहासिक दिन है। सेवा और समर्पण की साक्षात प्रतिमूर्ति मातृ-शक्ति ने केवल अपनी संतान को ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को सृजनात्मक एवं रचनात्मक दिशाएँ दी हैं। अपने त्याग और बलिदान से परिवार, समाज और राष्ट्र की अस्मिता को बचाने का हर संभव प्रयत्न किया है। यहाँ तक कि परिवार संस्था की आधारभित्ति भी मातृ-शक्ति के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है। माँ एक चलता-फिरता चमत्कार है। माँ के प्रभाव से अधिक शक्तिशाली कोई प्रभाव नहीं है।

मातृ दिवस मनाने की अनेक विचारधाराएं एवं मान्यताएं हैं। विश्व के विभिन्न भागों में यह अलग-अलग दिन मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में

मदर्स डे मनाने का उल्लेख है। 16वीं सदी में इंग्लैण्ड का ईसाई समुदाय ईशु की माँ मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए यह त्योहार मनाने लगा। इस दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने 8 मई, 1914 को लिया। कुछ लोगों का मानना है कि मदर्स डे कि शुरूआत एक अमेरिकन एक्टिविस्ट एना जार्विस से होती है। एना जार्विस को अपनी माँ से खास लगाव था। माँ के गुजर जाने के बाद एना ने माँ से प्यार जताने के लिए मदर्स डे की शुरूआत की। तब से हर साल मई माह के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की ख़ुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है। एक मां का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है, एक मां के बिना ये दुनियां अधूरी है। मदर्स डे सामान्य रूप से माताओं, मातृत्व और मातृ संबंधों को मान्यता देता है, साथ ही उनके परिवारों और समाज में उनके सकारात्मक योगदान को भी दशार्ता है।

मदर्स डे, उन उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करने का एक हार्दिक उत्सव है जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और असीम शक्ति से भर देती हैं। माँ का प्यार किसी भी ताजे फूल से अधिक सुंदर है। एक माँ की खुशी एक प्रकाश स्तंभ की तरह होती है, एक प्रकाशगृह यानी लाइट हाउस, जो भविष्य को रोशन करती है लेकिन प्यारी यादों के रूप में अतीत पर भी प्रतिबिंबित होती है। एक माँ शक्ति और गरिमा से सुसज्जित होती है, भविष्य के बारे में बिना किसी डर के हँसती है। प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा है कि जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो मेरे जीवन का एकमात्र ऐसा दिन था जब मैं रो रहा था और मेरी मां के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी ‍ एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है, ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियां अपने आप में सम्पूर्ण हैं। मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिये इतना विराट है कि पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। इसीलिये एच. डब्ल्यू. बीचर ने कहा कि मां का हृदय बच्चे की पाठशाला है।

भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि माना गया है। मां को देवतुल्य माना गया है। इसीलिये मातृ देवो भवः यह सूक्त भारतीय संस्कृति का परिचय-पत्र है। ऋषि-महर्षियों की तपः पूत साधना से अभिसिंचित इस धरती के जर्रे-जर्रे में गुरु, अतिथि आदि की तरह माँ भी देवरूप में प्रतिष्ठित रही है। महर्षि वाल्मीकी की यह पंक्ति-जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी‍ जन-जन के मुख से उच्चारित है। प्रारंभ से ही यहाँ मातृशक्ति की पूजा होती आई है। वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में माँ की आराधना होती है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धन-धान्य आदि प्राप्त होता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया।

एक माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरूरतों का ध्यान रखने वाली और उन्हें पूरा करने वाली देवदूत होती है। कहने को वह इंसान होती है, लेकिन भगवान से कम नहीं होती। वह ही मन्दिर है, वह ही पूजा है और वह ही तीर्थ है। तभी ई. लेगोव ने कहा है कि इस धरती पर मां ही ऐसी देवी है जिसका कोई नास्तिक नहीं। यही कारण है कि समूची दुनिया में मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं है। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त है, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान है। उसका आशीर्वाद वरदान है। जरा कभी मां के पास बैठो, उसकी सुनो, उसको देखो, उसकी बात मानो। उसका आशीर्वाद लेकर, उसके दर्शन करके निकलो। फिर देखो, जो चाहोगे मिलेगा- सुख, शांति, शोहरत और कामयाबी। ध्यान रहे, मां का दिल दुखाने का मतलब ईश्वर का अपमान है। संसार महा- व्यक्तियों के बिना रह सकता है, लेकिन मां के बिना रहना एक अभिशाप की तरह है। इसलिये संसार मां का महिमामंडन करता है, उसके गुणगान करता है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। मां के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किन्हीं शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। मां रूपी सूरज चरेवैति-चरेवैति का आह्वान है। उसी से तेजस्विता एवं व्यक्तित्व की आभा निखरती है। उसका ताप मन की उम्मीदों को कभी जंग नहीं लगने देता। उसका हर संकल्प मुकाम का अन्तिम चरण होता है। मां को धरती पर विधाता की प्रतिनिधि कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

किंतु वर्तमान परिवेश को देखते हुए यह सवाल अवश्य खड़ा होता है कि क्या आज की माँ जननी की भूमिका का सम्यक निर्वहन कर रही है? अथवा क्या वे समाजशास्त्रियों के इस अभिमत पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगा रही कि बच्चा नागरिकता का पहला पाठ माँ की वात्सल्यमयी गोद में सीखता है। जबकि वस्तुस्थिति तो यह है कि माँ की गोद उसे नसीब होती कहाँ है? कुक्षि से बाहर आते ही उसे अलग पालने में सुला दिया जाता है। सोता है तो दूध की बोतल उसके मुँह से लगा दी जाती है। उसका लालप-पालन या देखरेख नर्स या आया के द्वारा होती है अथवा डे केयर सेंटर, बेबी केयर सेंटर में भेजकर कर्तव्यपूर्णता का लेबल लगा दिया जाता है। दो-ढाई वर्ष का होते ही नर्सरी में कम्प्यूटर द्वारा उसे अक्षर-बोध प्राप्त होता है। कुछ बड़ा होते ही उसे होस्टल में प्रविष्टि दिला दी जाती है। कितनी आधुनिक माताएँ तो ऐसी हैं जिन्हें अपने बच्चों से संवाद स्थापित करने का क्षण भी उपलब्ध नहीं होता। करें भी कैसे ? उन्हें अपने निजी कार्यक्रमों से ही फुर्सत नहीं है। तब भला वह कैसे उन्हें बात-बात में तत्त्वबोध दें? कब मीठी-मीठी प्रेरक लोरियाँ सुनाकर संस्कारों की सौगात सौंपे? किस माध्यम से पारिवारिक, सामाजिक मान-मयार्दाओं की अवगति दें? कैसे जीवन में धर्म की उपयोगिता का अहसास करवाएँ? तब फिर शून्यता के सिवा शेष हाथ भी क्या आएगा? मातृ दिवस मां की अस्मिता के धुंधलाने के कारणों की पडताल करने का भी अवसर है। कन्याभ्रूणों की हत्या एक ओर मनुष्य को नृशंस करार दे रही है, तो दूसरी ओर स्त्रियों की संख्या में भारी कमी मानविकी पर्यावरण में भारी असंतुलन उत्पन्न कर रही है। अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-दिवस को मनाते हुए मातृ-महिमा पर छा रहे ऐसे अनेक धुंधलों को मिटाना जरूरी है, तभी इस दिवस की सार्थकता है।

यह तो केवल झांकी है आंधी अभी बाकी है

अशोक भाटिया

भारतीय सेना ने कश्मीर के पहलगाम में प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने गए 26 पर्यटकों को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करके जवाबी कार्रवाई की, उन्हें सीधे उनके धर्म के बारे में पूछकर मार डाला। 22 अप्रैल के पहलगाम नरसंहार ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था यह एक समाज-सम्मत न भूलने वाली घटना है । शायद जब तक इसका पूरा बदला पूरा न हो जाये यह घटना लोगों के दिलों दिमाग पर छाई रहेगी ।6 और 7 मई की आधी रात के बाद भारतीय वायुसेना ने आतंकी कैंपों पर हमला बोला। मिसाइलों ने भी सटीक बात की और पाकिस्तान के होश उड़ गए। पाकिस्तान को पूरी तरह से पता था कि भारतीय सेना की ओर से हमला होने वाला है। भारत कब और कैसे हमला करेगा और हमले का निशाना क्या होगा, इस बारे में भारत ने अंत तक गोपनीयता बनाए रखी थी, लेकिन 7 मई की सुबह जब पाकिस्तान पर हमला करने वाले भारतीय विमानों के दृश्य टीवी स्क्रीन पर दिखाई देने लगे तो देश में खुशी की लहर दौड़ गई। भारत माता की जय, मोदी जी को बधाई जैसे पोस्ट आ रहे थे। देश भर में भावना थी कि भारत पाकिस्तान को सबक सिखाने में सक्षम है क्योंकि देश के पास मोदी जैसा मजबूत नेतृत्व है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि मोदी वही करेंगे जो लोग चाहते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि पहलगाम नरसंहार में आतंकवादी 'चुन चुन कर मर्द' होंगे। पहलगाम की घटना के बाद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की अपनी यात्रा को बीच में छोड़कर भारत लौट आए। विपक्ष के कुछ नेताओं ने उनके नहीं जाने को लेकर उनकी आलोचना की थी। लेकिन बिहार के मधुबनी में बोलते हुए मोदी ने कहा, 'आतंकवादियों को ऐसी कठोर सजा दी जाएगी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी।' 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि जो भी हिंदुओं को निशाना बनाएगा उसका क्या होगा।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था। इसने पीओके के मुजफ्फराबाद में सेना के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमलों के आतंकवादियों ने यहां प्रशिक्षण लिया। कोटली, भिंबर, सियालकोट, मुरीदके, बहावलपुर में जहां-जहां आतंकियों को ट्रेनिंग दी जाती है, वहां भारतीय वायुसेना ने हमला कर उन सेंटर्स को तबाह कर दिया। भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में 24 मिसाइलें दागीं। पूरी दुनिया जानती थी कि ऐसा होने वाला है। दुनिया जानती थी कि जब मोदी देश का नेतृत्व कर रहे थे तो भारत पहलगाम नरसंहार के बाद चुप नहीं बैठेगा। पुलवामा नरसंहार के बाद भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान को सबक सिखाया था, लेकिन उसके बाद भी पाकिस्तान ने भारत पर आतंकी हमले जारी रखे। इसलिए भारतीय सेना और वायु सेना के लिए ऐसा समझौता करना आवश्यक था जो पाकिस्तान को कमजोर बनाए। भारतीय वायु सेना की दो महिला अधिकारियों, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी ने नई दिल्ली में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया और दुनिया को 'ऑपरेशन सिंदूर' का विवरण दिया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि भारतीय हवाई हमले में जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और उसके चार करीबी सहयोगी मारे गए थे। यह दिया गया है। भारत के मोस्ट वांटेड मसूद अजहर के परिवार में मारे गए सभी लोगों के नामों की लिस्ट भी जारी कर दी गई है। भारतीय सेना ने यह सुनिश्चित किया था कि ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देते समय नागरिकों को कोई चोट न आए। भारत ने कहीं भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं किया। आतंकवादी ठिकाने 'ऑपरेशन सिंदूर' का लक्ष्य थे। माना जाता है कि नौ हमलों में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं। भारतीय वायु सेना ने भी एक पाकिस्तानी लड़ाकू जेट को मार गिराने में सफलता हासिल की है। माना जा रहा है कि इसे खत्म कर दिया गया था। पाकिस्तान ने नौ ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिनमें से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे। पाकिस्तानी मीडिया में ऐसी अफवाहें उड़ी हुई हैं कि भारतीय वायुसेना द्वारा पाकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट करने के बावजूद भारतीय वायुसेना ने तीन भारतीय विमानों को मार गिराया। लेकिन पाकिस्तान ऐसा कोई सबूत दुनिया के सामने पेश नहीं कर पाया है।

अब भारत के हमले में आतंकियों के मारे जाने से तिलमिलाया पाकिस्तान अब भारत को जवाबी कार्रवाई की गीदड़भभकी दे रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को परमाणु युद्ध की बात शुरू कर दी है। भारत के सफलतापूर्वक हमले के बाद आसिफ ने कहा कि अगर दोनों देशों के बीच गतिरोध लंबा चला तो परमाणु युद्ध की संभावना से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तानी समाचार चैनल जियो न्यूज पर एक साक्षात्कार में जब ख्वाजा आसिफ से हमले के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत में केवल सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा।अब सुना जा रहा है कि उन्होंने कहा है कि अगर भारत और हमले नहीं करता है तो पाकिस्तान तनाव कम करने के लिए तैयार है। उसी मास्टर ने दो दिन पहले ही भारत को परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की धमकी दी थी। इसलिए युद्ध की जाने की संभावना बहुत धूमिल है। भारत की हड़ताल ने आतंकवादियों को स्पष्ट चेतावनी दी है झ भारत अब अपनी धरती पर आतंकवादी कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेगा। दूसरी ओर, भारतीय नागरिकों ने अपनी सरकार द्वारा दृढ़ रुख अपनाया है। यकीन मानें तो भारतीय सशस्त्र बलों का उत्साह बढ़ता है ! सर्जिकल स्ट्राइक के बाद अमेरिका, फ्रांस, इजरायल जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ-साथ यूरोपीय संघ ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को मान्यता दी है। लेकिन इसने भारत के खिलाफ कड़ा रुख नहीं अपनाया है। चीन, पाकिस्तान का सदाबहार सहयोगी, अपेक्षाकृत सतर्क दृष्टिकोण रखता है, लेकिन उस देश ने भारत विरोधी सीधा रुख नहीं अपनाया है। चीन को भू-राजनीतिक कारणों से पाकिस्तान की जरूरत है, लेकिन वह अपने व्यापारिक हितों को देखते हुए सीधे भारत के खिलाफ नहीं जा सकता है। ये अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं एक तरह से भारत के बढ़ते प्रभाव का संकेत हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान अपनी नीति बदलेगा। दशकों से, पाकिस्तान ने कई आतंकवादी समूहों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समर्थन प्रदान किया है। कुछ दिनों पहले ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रसिद्ध आतंकवादी संगठनों के नेता पाकिस्तान में खुलेआम घूमते हैं। उपस्थिति के दृश्य समाचार चैनलों पर दिखाई दिए हैं। इस पृष्ठभूमि में, यह मानना भोलापन होगा कि पाकिस्तान वैश्विक दबाव , आर्थिक प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव को बढ़ाए बिना आतंकवाद को प्रायोजित करने की अपनी नीति को बदल देगा। आतंकवाद के खिलाफ युद्ध कुछ आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने से समाप्त नहीं होगा।यह सामाजिक और आर्थिक भी है। आतंकवाद के राक्षस से रक्षा के लिए उचित सीमा प्रबंधन, खुफिया जानकारी का अधिक कुशल उपयोग, आतंकवादियों के वित्तीय संसाधनों पर अंकुश लगाने, व्यथित युवाओं के पुनर्वास आदि जैसे दीर्घकालिक उपायों की भी आवश्यकता है। भारत शांति का समर्थक है, लेकिन अगर संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो यह सही समय पर, सही जगह पर जवाब देगा। भारत की ताजा कार्रवाई ने निश्चित रूप से आतंकवादियों और पाकिस्तानी शासकों और सेना को एक स्पष्ट संदेश भेजा है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर भारत के हमले को मोदी ने खुद 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया था। ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल द्वारा डिजाइन किया गया था, लेकिन यह पूरी निगरानी में था। इससे पहले कभी भी एक भयानक नरसंहार नहीं हुआ था जहां महिलाओं को उनकी आंखों के सामने आतंकवादियों द्वारा गोली मार दी गई थी। यह पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा नागरिकों पर एक बड़ा हमला था। पहलगाम हमले में उनके पति को महिलाओं के सामने मार दिया गया था। आतंकवादियों ने महिलाओं के कुंकुओं का सफाया कर दिया। इसलिए 'ऑपरेशन सिंदूर' ने विधवा महिलाओं को न्याय दिलाने की कोशिश की। महिलाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।'ऑपरेशन सिंदूर' ने उरी, पठानकोट, पुलवामा, पहलगाम का बदला लिया है, लेकिन लड़ाई खत्म नहीं हुई है। रिटायर्ड आर्मी चीफ जनरल मनोज नरवणे के शब्दों में कहें तो 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की कार्रवाई की सिर्फ केवल झांकी है आंधी अभी बाकी है !

न्याय की लड़ाई ऑपरेशन सिंदूर, भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और रणनीतिक दृढ़ता का प्रतीक

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

किसी माथे का सिंदूर ना मिटने देंगे, मिटाया तो घर में घुस के मार देंगे

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए निहायत क्रूर आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। मरने वालों को उनके परिवार के सामने, बहुत करीब से सिर में गोली मारकर मारा गया। आतंकियों की इस राक्षसी करतूत ने न केवल देश को आक्रोशित किया, बल्कि वैश्विक पटल पर भी इस जघन्य अपराध के विरोध में स्वर सुनाई पड़े, और आतंकवादियों के लिए एक शरण स्थली के रूप में पाकिस्तान की पहचान दुनिया के सामने पुष्ट हुई। हमले के एक पखवाड़े बाद भी पाकिस्तान ने आतंकवादियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया, बल्कि भारत पर उल्टे आरोप लगाए, जिसने भारत को मजबूर किया कि वह निर्णायक कार्रवाई करे।

दहशतगर्दियों का उद्देश्य सांप्रदायिक भावना को भड़का कर देश को गृह युद्ध की आग में झोंकना था, लेकिन भारत द्वारा धैर्य रखा गया और एक संमयित जवाब देते हुए भारत ने 6-7 मई 2025 की दरम्यानी रात 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसका उद्देश्य पहलगाम आतंकी हमले से पीड़ित देश को न्याय दिलाना था।

पहलगाम की त्रासदी और जवाब की जरूरत

पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए। आतंकियों ने पुरुषों को चुन-चुनकर निशाना बनाया, जिससे कई महिलाएं की मांग का सिंदूर पुछ गया। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों से जुड़े समूहों ने इसकी जिम्मेदारी ली। यह हमला भारत के लिए एक खुली चुनौती था, जिसने 2008 के मुंबई हमले और 2016 के उरी हमले की यादें ताजा कर दीं।

देशभर में उबाल आ गया। सोशल मीडिया पर जस्टिस फॉर पहलगाम ट्रेंड करने लगा, और जनता ने कठोर कार्रवाई की मांग की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया, ‍आतंकियों को उनकी धरती पर मिटा दिया जाएगा‍ ऑपरेशन सिंदूर इस वादे का परिणाम था। इस ऑपरेशन की सफलता भारत की सैन्य शक्ति, रणनीतिक चतुराई और कूटनीतिक कौशल की प्रतीक बन गई, जिसने भारत की आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति को वैश्विक मंच पर दृढ़ता से स्थापित किया।

आक्रमण से पहले की रणनीति

ऑपरेशन सिंदूर कोई हड़बड़ी में लिया गया भावनात्मक फैसला नहीं था। इसके पीछे कई दिनों की गहन मंत्रणा और खुफिया जानकारी थी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भारतीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर आतंकी ठिकानों की सटीक पहचान की। सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन सर्विलांस, और सिग्नल इंटेलिजेंस का उपयोग करके इन ठिकानों पर आतंकी गतिविधियों की पुष्टि की गई। भारत ने सुनिश्चित किया कि ऑपरेशन अंतरराष्ट्रीय कानूनों के दायरे में हो और इसे आत्मरक्षा के रूप में प्रस्तुत किया जाए। लक्ष्य चुनते समय बहुत सावधानी बरती गई, ताकि केवल आतंकी बुनियादी ढांचे को नष्ट किया जाए और पाकिस्तानी सेना के साथ सीधा टकराव टाला जा सके।

कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, सऊदी अरब, और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों को ऑपरेशन की जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वैश्विक समुदाय को भारत का पक्ष समझाया, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे न्याय की लड़ाई करार दिया।

टारगेट का चयनः सटीकता और खुफिया ताकत

इस ऑपरेशन में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, चार पाकिस्तान में (बहावलपुर, मुरीदके, बाग, सियालकोट) और पांच पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में (कोटली, मुजफ्फराबाद, गुलपुर, भिंबर, चाक अमरू)। बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय, मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय और गुलपुर में पुंछ और तीर्थयात्रियों पर हुए हमलों की योजना बनी थी.

6-7 मई की रात, भारतीय वायुसेना ने राफेल फाइटर जेट्स, हैमर और स्कैल्प मिसाइलों, और कामीकाजे ड्रोन्स का उपयोग करके सटीक हमले किए। यह ऑपरेशन 1971 के युद्ध के बाद पहली बार था, जब तीनों सेनाओं (थलसेना, वायुसेना, नौसेना) ने संयुक्त रूप से इतने बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। हमले के बाद, भारत ने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय किया, ताकि किसी भी जवाबी हमले से निपटा जा सके।

हमले का निष्पादनः तकनीक और ताकत का प्रदर्शन

पाकिस्तान में लोग सोच रहे थे कि भारत में बस मॉक ड्रिल की तैयारी चल रही है, लेकिन इसी बीच ऑपरेशन सिंदूर जैसा हतप्रभ कर देने वाला भीषण सैलाब आएगा, इसकी भनक किसी को भी नहीं थी। 6-7 मई की रात, भारत ने अपनी सैन्य ताकत का शानदार प्रदर्शन किया। राफेल फाइटर जेट्स, हैमर और स्कैल्प मिसाइलों से लैस, सेना ने सटीक निशाने लगाए। कामीकाजे ड्रोन ने टारगेट से सीधे टकराकर घातक विस्फोट किए।

हमले के बाद, भारत ने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय किया, ताकि किसी भी जवाबी हमले से निपटा जा सके। यह ऑपरेशन 1971 के युद्ध के बाद पहली बार था, जब तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से इतने बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। यह सिर्फ सैन्य सफलता नहीं, बल्कि कूटनीतिक संदेश भी है कि भारत अब सीमा पार छिपे दुश्मनों को उनके घर में घुसकर सबक सिखा सकता है।

नेतृत्व और प्रबंधन

ऑपरेशन की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अजीत डोभाल के हाथों में थी। मोदी ने ऑपरेशन को नाम दिया और पूरी रात इसकी निगरानी की। डोभाल ने खुफिया जानकारी और योजना को अंतिम रूप दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना का मनोबल बढ़ाया, जबकि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑपरेशन की जानकारी दी, जो भारत के समावेशी सैन्य नेतृत्व को दशार्ता है।

वैश्विक मंच पर भारत की बड़ी जीत

ऑपरेशन सिंदूर को वैश्विक समुदाय से अप्रत्याशित समर्थन मिला। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को डोभाल ने ऑपरेशन की जानकारी दी। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने इसे नपी-तुली कार्रवाई बताया। ब्रिटेन, सऊदी अरब, यूएई और रूस ने भी भारत के कदम का समर्थन किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तनाव कम होने की उम्मीद जताई, जो भारत के संयमित दृष्टिकोण की अप्रत्यक्ष तारीफ थी। पाकिस्तान ने इसे नागरिकों पर हमला बताकर शोर मचाने की कोशिश की, लेकिन भारत के सबूतों और पारदर्शिता ने उसके दावों को कमजोर कर दिया।

पाकिस्तान में राजनीतिक संकट और युद्ध की संभावना

पाकिस्तान ने दावा किया कि इस ऑपरेशन में 26 लोग मारे गए और 46 घायल हुए, जबकि भारत ने कहा कि पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई में आठ भारतीय नागरिक मारे गए। ऑपरेशन से आतंकी संगठनों को भारी नुकसान पहुंचा, और 90 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की खबरें आईं। पाकिस्तान में अस्थिरता का माहौल बन गया, स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए, और लाहौर में आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई। तुलनात्मक रूप से पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है, और उसकी सेना भारत की तुलना में संसाधनों में बहुत पीछे है। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान के पास युद्ध लड़ने की क्षमता सीमित है। हालांकि, पाकिस्तान ने अतीत में अप्रत्याशित कदम उठाए हैं, और छङ्कउ पर बढ़ते तनाव से युद्ध की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

पाकिस्तान को बाहरी मदद की संभावना

पाकिस्तान को युद्ध में समर्थन की संभावना सीमित है। उसका सबसे करीबी सहयोगी, चीन, आर्थिक और सैन्य रूप से शक्तिशाली है, लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि चीन इस मुद्दे पर तटस्थ रहेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की चुप्पी इसकी पुष्टि करती है। चीन नहीं चाहेगा कि दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़े, क्योंकि इससे उसके बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसे प्रोजेक्ट्स प्रभावित हो सकते हैं।

सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देश, जो पहले पाकिस्तान के समर्थक रहे हैं, अब भारत के साथ मजबूत आर्थिक संबंध रखते हैं। ऑपरेशन के बाद इन देशों का समर्थन भारत के पक्ष में रहा। तुर्की और मलेशिया जैसे कुछ देश पाकिस्तान का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन उनकी सैन्य या आर्थिक मदद युद्ध को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। पाकिस्तान की सबसे बड़ी ताकत उसका परमाणु शस्त्रागार हो सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल वैश्विक निंदा और विनाशकारी परिणामों को न्योता देगा। इसलिए, युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान को अलग-थलग पड़ने की संभावना अधिक है।

भारत का बढ़ता दबदबा

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। इसने न केवल आतंकी ढांचे को ध्वस्त किया, बल्कि भारत की सैन्य एकता और कूटनीतिक चतुराई को भी प्रदर्शित किया। देशभर में ऑपरेशन को समर्थन मिला। अधिकतर राजनीतीक दलों ने इसे एक राष्ट्र के रूप में भारत की मजबूती का प्रतीक बताया।

जैसा कि विदेश मंत्री जयशंकर के बयान और निरंतर मिल रहे अंतरराष्ट्रीय समर्थन से स्पष्ट है, इस अभियान की सफलता से वैश्विक समुदाय में भारत का सम्मान और विश्वसनीयता बढ़ी है, और यह ना केवल सामरिक बल्कि भारत की सांस्कृतिक और नैतिक जीत भी है, जो आतंकवाद को पनाह देने वालों को कठोर संदेश देती है। भारत की सैन्य और तकनीकी क्षमता का यह प्रदर्शन पड़ोसी मुल्क चीन के विस्तारवादी मंसूबों पर अंकुश लगाने में सक्षम साबित होगा। अब चीन को अपना अड़ियल और धमकाने वाला रुख छोड़कर भारत की बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभुता का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। इस अभियान को मिला व्यापक वैश्विक समर्थन चीन को भारत के साथ संतुलित और सम्मानजनक संवाद के लिए बाध्य करेगा।

भविष्य की राह

ऑपरेशन सिंदूर का डंका बज चुका है और यह भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक मील का पत्थर है। पाकिस्तान में इस वक्त हड़कंप मचा हुआ है, अस्थिरता के माहौल में पाकिस्तानी नेतृत्व को समझ ही नहीं आ रहा है कि उसे करना क्या है। सीमा पर बढ़ते तनाव और पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाइयों से युद्ध के बादल गहरा तो रहे हैं लेकिन उनके बरसने की संभावना क्षीण हैं। भारत ने अपनी सैन्य और कूटनीतिक ताकत का प्रदर्शन कर दिया है, लेकिन अगले द्विपक्षीय कदम क्षेत्रीय शांति के लिए निर्णायक होंगे।

एक था पाकिस्तान: इतिहास के पन्नों में सिमटता सच

-प्रियंका सौरभ

'एक था पाकिस्तान' - यह केवल तीन शब्द नहीं हैं, बल्कि यह उन अनगिनत कुर्बानियों, टूटे सपनों और संघर्षों की कहानी है, जो भारतीय सभ्यता के दिल में गहरे तक समाई हुई हैं। जब हम यह वाक्य सुनते हैं, तो न केवल एक भूगोल का जिक्र होता है, बल्कि एक पूरी जड़ें, एक परिवार, एक संस्कृति, और एक सपना जो कभी हमारे अपने हिस्से में था। यह तीन शब्द उस दर्द, उस पीड़ा और उस उम्मीद का प्रतीक हैं जो विभाजन के समय के लाखों नागरिकों के दिलों में जीवित रहे। 1947 का विभाजन महज एक भूगोल का बंटवारा नहीं था। यह दिलों का बिखराव था, यह जड़ों की टूटन थी, यह एक सभ्यता के विनाश का दौर था। उस समय लाखों परिवारों ने अपने घरों को खो दिया, अपने रिश्तों को खो दिया, और अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी खो दिया। विभाजन के समय जो नफरत और हिंसा फैली, उसने कई परिवारों को कभी न खत्म होने वाली कड़वाहट दे दी। एक तरफ हिंदू और मुस्लिम एक-दूसरे के दोस्त थे, और दूसरी ओर वे अचानक दुश्मन बन गए, सिर्फ. एक रेखा, एक खींची हुई सीमा, के कारण।

अभी भी, विभाजन के समय की वह दर्दनाक यादें हमारे दिलों में कहीं न कहीं बसी रहती हैं। पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते कभी भी सामान्य नहीं हो पाए। लेकिन क्या हमें हमेशा के लिए इस विभाजन को अपनी सोच और जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए? क्या हम अपनी अगली पीढ़ियों को भी इसी घृणा और नफरत के जाल में फंसा कर रखें? यह विचार हमें बार-बार खुद से पूछने की जरूरत है। नफरत और भेदभाव की दीवारों को गिराना आसान नहीं होता, लेकिन क्या यह संभव नहीं है? अगर हमें वास्तव में 'एक था पाकिस्तान' को एक साकार रूप देना है, तो हमे एकता की भावना को और भी मजबूत करना होगा। हमें यह समझना होगा कि शांति और स्थिरता की असली ताकत हमारी एकता में है, न कि हमारे भूतकाल में। हमें यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल एक भूगोल का नाम नहीं है, बल्कि यह भी उन दर्दनाक घटनाओं का गवाह है, जो कभी हमारे देश के हिस्से हुआ करती थीं। लेकिन क्या हमें अपने वर्तमान और भविष्य को उसी पुराने दर्द के आधार पर जीते रहना चाहिए? क्या हम हर कदम पर नफरत के जाल में उलझ कर अपनी असली शक्ति को खो देंगे? यदि हम चाहते हैं कि ‍एक था पाकिस्तान‍ का सपना साकार हो, तो हमें एक ऐसा समाज बनाना होगा जहां हम न केवल अपने सैनिकों की हिफाजत करें, बल्कि अपने भीतर की नफरत को भी कम करें। हमें यह समझने की जरूरत है कि युद्ध और संघर्ष का समाधान नफरत से नहीं हो सकता। यह हमेशा शांतिपूर्ण संवाद और समझ के रास्ते से ही संभव है। क्या हम अपने दिलों में नफरत और द्वेष को जगह देने के बजाय, हर विवाद का हल एकजुटता और समझदारी से नहीं निकाल सकते?

हमारे समाज में विभाजन के बाद भी कई सवाल उठते हैं, जिनका जवाब हमें खोजने की जरूरत है। धर्म, जाति और भाषा के नाम पर हमारी पहचान को कैसे बचाएं? भारत एक बहु-सांस्कृतिक देश है, जहां विभिन्न जातियाँ, धर्म, और भाषाएँ एक साथ रहती हैं। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम सभी का समृद्ध इतिहास एक समान है, और विभाजन हमें केवल अलग करने का काम करता है। भारत में धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता ने हमेशा हमें अपनी शक्ति और पहचान दी है, और हमें इसे अपनी एकता की नींव के रूप में स्वीकार करना चाहिए। यह अत्यंत दुखद है कि हम खुद भी आंतरिक बंटवारे का शिकार हो गए हैं। धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर जिस तरह से हमारे समाज में घृणा और भेदभाव फैल रहा है, वह हमारे सपनों को कमजोर कर रहा है। अगर हमें 'एक था पाकिस्तान' का सपना साकार करना है, तो हमें खुद के भीतर की नफरत और अंधविश्वास को खत्म करना होगा। क्या हम अभी भी धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर एक दूसरे से नफरत करेंगे? क्या हम अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति को भूलकर केवल असहमति और घृणा की राजनीति करेंगे? हमारे सैनिक हर दिन अपनी जान की बाजी लगाते हैं ताकि हमारे घरों में शांति बनी रहे। जब वे सीमा पर खड़े होते हैं, तो वे केवल एक राष्ट्र की रक्षा नहीं कर रहे होते, बल्कि उनकी बीवी, उनकी माँ, और उनके बच्चे भी उनकी सुरक्षा की कामना करते हैं। हमें यह समझना होगा कि सैनिकों का बलिदान केवल उनका नहीं, बल्कि उनके परिवारों का भी होता है। इन परिवारों का दर्द वही समझ सकता है जो खुद इसे महसूस करता है। जब एक सैनिक अपने घर से निकलता है, तो उसका परिवार जानता है कि वह शायद कभी लौटकर न आए। उनकी वीरता और कड़ी मेहनत के बिना हमारा देश सुरक्षित नहीं रह सकता। हमें उनके बलिदान को सम्मान देना होगा, क्योंकि वे हमारे असली नायक हैं। हमें अपनी अगली पीढ़ी को यह समझाना होगा कि वे नफरत की राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट हो। शांति, सद्भाव और एकता में शक्ति है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे बच्चे एक ऐसे समाज में पले-बढ़ें, जो प्रेम, भाईचारे और समझ के सिद्धांतों पर चलता हो।

ग्रेसियस जूनियर कॉलेज का 100 प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

भायंदर (उत्तरशक्ति)। श्री शुभम एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित ग्रेसियस जूनियर कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। कॉलेज के चेयरमैन वीरेंद्रप्रसाद दुबे ने इस कामयाबी के लिए सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य को बधाई देते हुए कहा कि कॉलेज को मिली कामयाबी सामूहिक मेहनत का परिणाम है। शिक्षा के क्षेत्र में यह कॉलेज अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यहां सभी प्रकार की शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध है।

साई इंग्लिश स्कूल की सीईओ श्रीलक्ष्मी की गाड़ी से धारदार चॉपर बरामद

गाड़ी में लगाई पुलिस की नेमप्लेट सेंट्रल पुलिस में मामला दर्ज

उल्हासनगर। कल्याण पूर्व के काटेमनिवली स्थित साईं इंग्लिश स्कूल की सीईओ श्रीलक्ष्मी की गाड़ी से उल्हासनगर पुलिस ने धारदार चॉपर बरामद किया है। इतना ही उनकी गाड़ी के आगे पुलिस की नेमप्लेट भी लगी हुई है, पुलिस के मुताबिक यह गैरकानूनी है। इस मामले में उल्हासनगर की सेंट्रल पुलिस ने श्रीलक्ष्मी, रमेश चव्हाण और ड्राइवर सचिन वाघमारे पर मामला दर्ज कर उन्हें नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक सेंट्रल पुलिस को गाड़ी में चॉपर जैसे धारदार हथियार होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर उल्हासनगर के फॉरवर लाइन स्थित जवाहर होटल के पास एमएच 46 बीडी 4464 क्रमांक की कार की तलाशी लेने पर उसमें से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। वहीं गाड़ी के सामने पुलिस की नेमप्लेट भी लगी हुई थी। इस मामले में सेंट्रल पुलिस ने श्रीलक्ष्मी, रमेश चव्हाण और ड्राइवर सचिन वाघमारे के खिलाफ खुद को पुलिस होने का झूठा दावा करने और महाराष्ट्र पुलिस नियम के तहत अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। तीनों आरोपियों को नोटिस जारी कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। गाड़ी में अवैध हथियार रखने और पुलिस के नाम का उपयोग करने के पीछे क्या मकसद हो सकता है पुलिस इसकी जांच में जुट गई है।

बाहेती रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज का शुद्ध लाभ 159 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। बाहेती रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड एल्यूमीनियम रीसाइक्लिंग और एल्यूमीनियम एलॉय और डी-ऑक्स एलॉय के उत्पादन के जुड़ी एक अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त छमाही और पूरे वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जिसमें आय और शुद्ध लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त छमाही अवधि के लिए 26,716.10 लाख रुपए आय दर्ज की है। जो गत वर्ष यही समयावधि में 22,265.92 लाख थी। यानी पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले इस बार आय में 20 फीसदी वृद्ध दर्ज की गई है। । शुद्ध लाभ 158.7% बढ़कर 1,098.93 लाख हुआ है, जो गत वर्ष की 424.77 लाख रुपए था। उत्कृष्ट परिणाम कंपनी की मजबूत परिचालन दक्षता और बढ़ती मांग को दशार्ते हैं। 31 मार्च, 2025 को समाप्त पूरे वित्तीय वर्ष के लिए, बाहेती रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज ने 52,453.87 की आय दर्ज की थी, जो गत वर्ष की आय 42,945 लाख से 22.1% अधिक है। पूरे वित्तीय वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 150% बढ़कर 1,800.98 लाख रुपए हुआ, जो एक साल पहले 720.08 लाख रुपए था। यह आंकड़े सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में कंपनी के मजबूत प्रदर्शन को दशार्ते हैं। बाहेती रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ज्वॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर यश शाह ने कहा कि ₹दूसरी छमाही और पूरे वित्तीय वर्ष में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन हमारे व्यवसाय की स्थिति स्थापकता और भारत में पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ रीसाइक्लिंग प्रथाओं की बढ़ती मान्यता को दशार्ता है। हम परिचालन उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं और सर्कुलर अर्थव्यवस्था में योगदान करने में एक बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं।

सत्व सुकुन ने चौथी तिमाही में लाभ में 74 .5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

मुंबई। घरेलू साज-सज्जा और सुगंध उत्पाद बनाने वाली कंपनी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसईः 539519) ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और बारह महीनों के लिए मजबूत वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 74.5% बढ़कर 84.22 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 48.19 लाख था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में परिचालन से आय 6% बढ़कर 105.16 लाख रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 99.23 लाख रुपए थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त बारह महीनों के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 108.9% बढ़कर 248.94 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 119.04 लाख रुपए था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त बारह महीनों के लिए परिचालन से आय 48.1% बढ़कर 526.30 लाख रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 355.33 लाख थी। सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मीत तरूणकुमार ब्रह्मभट्ट ने कहा कि ₹कंपनी की सफलता नवाचार-संचालित उत्पाद विकास, विनिर्माण क्षमताओं में निवेश और एक विस्तारित ग्राहक आधार के संयोजन से प्रेरित है, जो दीर्घकालिक टिकाऊ विकास की दिशा में अपना रास्ता मजबूत करता है। यह मजबूत प्रदर्शन सत्त्व सुकुन की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता, बाजार के रुझानों के प्रति अनुकूलनशीलता और उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी होने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

टाइटन वर्ल्ड देश भर में अपने स्टोर्स में परफ्यूम मेकिंग के साथ मदर्स डे का जश्न मनाने के लिए तैयार

मुंबई/पटना। खुशबू में यादों को तरोताजा करने की अनूठी ताकत होती है और माँ की खुशबू की बात करें तो यह कई लोगों के लिए स्थायी और सुकून देने वाली होती है। तो इस मदर्स डे के मौके पर टाइटन वर्ल्ड आपको ऐसे उपहार के साथ प्यार भरे इस रिश्ते को सम्मान देने के लिए आमंत्रित करता है, जिसे वह हमेशा याद रखेंगी, एक परफ्यूम जो उनके प्यार की तरह हमेशा सदाबहार रहेगा।

सोच-समझ कर तैयार किए गए इन-स्टोर अनुभव के साथ प्यार भरे इस रिश्ते का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाएं। 10 और 11 मई को देश भर में 163 से अधिक टाइटन वर्ल्ड स्टोर एक खास परफ्यूम मेकिंग एक्टिविटी का आयोजन करने जा रहे हैं, जहां उपभोक्ताओं को अपने जीवन की सबसे खास महिला- अपनी माँ के साथ कुछ यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा। इस एक्टिविटी के तहत मेहमानों को फ्रेगरेन्स ब्लेंडिंग की कला में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जहां वे असेंशियल ऑयल्स के क्यूरेटेड सलेक्शन का उपयोग कर पर्सनलाइज्ड 50 एमएल परफ्यूम तैयार करेंगे। इसे कोई भी व्यक्ति अपनी माँ के साथ मिलकर बना सकता है या अपनी प्यारी माँ को सरप्राइज गिफ्ट देने के लिए तैयार कर सकता है। यह अनुभव निश्चित रूप से कस्टमाइज्ड फ्रैगरेन्स के साथ खुशी, पुरानी यादों और जुड़ाव की भावना को जागृत करेगा।

तारापुर एमआईडीसी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर शिवसेना शिंदे गुट ने जिलाधिकारी से की कड़ी कार्रवाई की मांग

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में शुमार तारापुर एमआईडीसी आज गंभीर प्रदूषण के संकट का सामना कर रही है। एक ओर जहां पालघर जिला राज्य के विकासमान जिलों में गिना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसी जिले को सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में भी शामिल किया जा रहा है। जल और वायु प्रदूषण की भयावह स्थिति ने यहां के नागरिकों के स्वास्थ्य को संकट में डाल दिया है। शिवसेना ने इस गंभीर मुद्दे को लेकर जिलाधिकारी इंदूराणी जाखड़ से मुलाकात की और तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में हो रहे जल और वायु प्रदूषण पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की। शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे के नेतृत्व में यह शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मिला और उन्हें क्षेत्र में बढ़ते कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के मामलों की जानकारी दी, जो कथित तौर पर केमिकल माफिया और प्रशासन के मिलीभगत से हो रहे प्रदूषण का परिणाम हैं। शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदूषण नियंत्रण मंडल, प्रशासन और औद्योगिक इकाइयों के बीच मिलीभगत के चलते नियमों को ताक पर रखकर हानिकारक रसायनों का अवैध रूप से निस्तारण किया जा रहा है। जिससे स्थानीय ग्रामीणों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना

करना पड़ रहा है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने समस्या की गंभीरता को समझते हुए आश्वासन दिया कि हर महीने इस विषय पर बैठक आयोजित की जाएगी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को नियमित रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जाएंगे। शिवसेना शिंदे गुट के इस शिष्टमंडल में जिला प्रमुख कुंदन संखे के साथ सह-संपर्क प्रमुख केदार काले, जिला संघटिका वैदही वाढाण, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष भारती कामडी, उपजिला प्रमुख समीर सागर, सुशील चुरी, तहसील प्रमुख संजय चौधरी, दहानू विधानसभा क्षेत्र प्रमुख सुनील इभाड, प्रकाश सांबर, डॉ.आदित्य अहिरे,पालघर शहर प्रमुख राहुल घरत, दहानू शहर प्रमुख रमेश पाटील,शहर संघटिका सविता मल्ला, उपसह प्रमुख संजू धोत्रे, प्रदीप यादव, पूर्व नगरसेवक अमोल पाटील, बंड्या म्हात्रे, एडवोकेट धर्मेंद्र भट, चंद्रशेखर वड़े, तुषार भानुषाली, अक्षय संखे, प्रवीण पाटील, सुधीर गावडे, युवसेना के नैवेद्य संखे, कुमार माली, उदय अधिकारी, सुभाष राठौड़, महिला पदाधिकारी लीना पाटील, जानवी गवली, सरिता ठाकूर, माधविका पाटील, भारती सावे, सरोज नाईक, यास्मिन लुलनिया, ज्योति राऊत, कल्पना पाटील सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

मृतकों के परिजनों को केडीएमसी द्वारा मिले आर्थिक सहायता

महेश गायकवाड और रिक्शा असोसिएशन की मांग

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में एम्बुलेंस के देर से पहुंचने के कारण सविता बिराजदार नामक महिला की मृत्यु हो गई, वहीं चिंचपाडा में एक ऑटो रिक्शा पर पेड़ गिरने से रिक्शा चालक समेत तीन यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों में कुल चार लोग शामिल हैं। इन मृतकों के परिजनों को केडीएमसी द्वारा आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए, इस मांग को लेकर पूर्व नगरसेवक महेश गायकवाड और रिक्शा असोसिएशन के पदाधिकारियों ने अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड से मुलाकात की। उन्होंने इन परिवारों को जल्द से जल्द सहायता प्रदान करने की मांग की।

अन्यथा महेश गायकवाड और रिक्शा संगठन की तरफ से उग्र आंदोलन करने की चेतावनी महेश गायकवाड ने दी है।

तारापुर-बोईसर में मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

युद्ध जैसी परिस्थितियों से निपटने हेतु दी गई ट्रेनिंग

पालघर(उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के निदेर्शानुसार बुधवार 7 मई 2025 को पालघर जिले में युद्ध जैसी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए एक समन्वित मॉक ड्रिल का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य नागरिकों को आपदा की स्थिति में त्वरित मार्गदर्शन और सहायता पहुँचाना था, जिससे जनहानि को न्यूनतम किया जा सके। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य सेवा, अग्निशमन दल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), नागरिक सुरक्षा दल और स्थानीय संस्थानों के सहयोग से तारापुर और बोईसर सहित जिले के विभिन्न भागों में इस मॉक ड्रिल का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। ड्रिल के समापन अवसर पर जिलाधिकारी इंदुराणी जाखड़ ने कहा, ह्लइस प्रकार की मॉक ड्रिल से जिले के प्रशासनिक तंत्र और आम नागरिकों की सतर्कता एवं तत्परता में वृद्धि होती है। ऐसे अभ्यास भविष्य की आपात स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ह्व इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे, तहसीलदार रमेश शेंडगे, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम,

एनडीआरएफ टीम कमांडर सुरेंद्र पुनिया, बोईसर अग्निशमन दल से श्री पाटील, नागरिक सुरक्षा दल के उपनियंत्रक काशिनाथ कुरकुटे, और जिला सूचना अधिकारी राहुल भालेराव सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। इस अभ्यास में तारापुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के केंद्रीय सुरक्षा बल, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन दल, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केंद्र, महाविद्यालयीन विद्यार्थी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी सक्रिय सहभाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि आपातकालीन परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और क्या नहीं, जिससे नागरिकों को व्यवहारिक जानकारी प्राप्त हो सकी।

पालघर पुलिस को 100 दिवसीय कार्यालयीन सुधारणा मुहिम में मिला प्रदेश में प्रथम स्थान

मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र प्रदेश में दिनांक 7 जनवरी 2025 से 16 अप्रैल 2025 तक राज्यव्यापी 100 दिवसीय कार्यालयीन सुधारणा मुहिम का आयोजन किया गया था। इस विशेष मुहिम का उद्देश्य पुलिस प्रशासन में कार्यक्षमता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना था। इस मुहिम में राज्य के कुल 34 जिलों के पुलिस विभागों ने हिस्सा लिया, जिनमें पालघर पुलिस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पुनः प्रथम स्थान हासिल किया है। पालघर पुलिस का यह लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन उसकी कार्यनिष्ठा और जनता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राज्य स्तर पर किए गए इस उल्लेखनीय कार्य

के लिए पालघर के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील को महाराष्ट्र प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर श्री सिद्धिविनायक मंदिर में की गई विशेष पूजा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा निर्दोष हिंदू पर्यटकों की हत्या की घटना के बाद भारत सरकार द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर श्री सिद्धिविनायक मंदिर में आज सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक विशेष पूजा तथा आरती का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादियों तथा उनके शिविरों को जिस तरह से नष्ट

किया गया, उससे न सिर्फ सिंदूर उजाड़ने वालों को कड़ी सजा मिली अपितु उनके आकाओं को भी करारा जवाब मिला। उन्होंने कहा कि पूजा तथा आरती के माध्यम से हम सभी ने भगवान विघ्नहर्ता से मानवता की राह में विघ्न बन रहे आतंकवादियों के समूल विनाश की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए जा रहे सख्त कदमों को देखते हुए, भगवान से उनकी अदम्य इच्छा शक्ति तथा साहस को निरंतर बनाए रखने की प्रार्थना की गई। ऑपरेशन सिंदूर को कामयाब बनाने वाले सेना के जवानों तथा उनके परिवारों के लिए भी प्रार्थना की गई। इस अवसर पर ट्रस्टी महेश मुदलियार, ट्रस्टी भास्कर शेट्टी, ट्रस्टी गोपाल दलवी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

मदर्स रेसिपी ने लॉन्च किया "समरवाला शरबर्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पारंपरिक और स्वादिष्ट फ्लेवर के लिए जाना जाने वाला भारत का होमग्रोन एथनिक ब्रांड मदर्स रेसिपी गर्मियों की यादें ताजा करने वाला अपना नया प्रोडक्ट रेंज समरवाला शरबत लेकर आया है। इस नई श्रृंखला के माध्यम से मदर्स रेसिपी ने गर्मियों के महीनों में घर का बना ठंडा शरबत पीने की परंपरा को फिर से जीवित किया है। खाने के जरिए भावनाएं और परंपरा संजोने के अपने मूल सिद्धांत पर चलते हुए, ब्रांड ने ऐसे आनंदभरे पल फिर से लाए हैं जो घर के बने शरबत को परिवार और मेहमानों के साथ बाँटने के खुशी से जुड़े हुए हैं।

भारत में शरबत बनाने की कला केवल गर्मियों की एक रस्म नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों से चली आ रही एक पसंदीदा परंपरा है। जब ग्लास में शरबत डाला जाता है, तो एक-एक बात की याद आ जाती है अक्सर दादी की प्यार से संजोई हुई रेसिपी की, या किसी गर्म दोपहरी में मेहमानों को खास शरबत परोसने की खुशी की। शरबत सिर्फ एक ठंडा पेय नहीं है, बल्कि यह दिल से दिया गया एक उपहार होता है। यह अपनापन दशार्ने वाला प्रतीक होता है और यह परंपरा, मेहमाननवाजी और एकजुटता की भावना को जोड़ने वाला एक मीठा धागा होता है। इन्हीं अमर परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए, मदर्स रेसिपी ने समरवाला शरबत नाम से पांच रिफ्रेशिंग फ्लेवर की खास श्रृंखला लॉन्च की है, जिसे उन पुरानी यादों को फिर से जगाने और हर घूंट में घर का स्वाद भरने के लिए डिजाइन किया गया है। इस श्रृंखला में पांच स्वादिष्ट फ्लेवर शामिल हैं: आम पन्ना, गुलाब शरबत, जीरा मसाला, खस सिरप और लेमन-जिंजर। हर फ्लेवर पारंपरिक और प्राकृतिक सामग्री से सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जो अपनी हाइड्रेटिंग और स्वास्थ्यवर्धक विशेषताओं के लिए जाने जाते हैं। ये शरीर को ठंडा रखने, पाचन में मदद करने और गर्मी को मात देने में सहायक हैं। यह शरबत ठंडे पानी में पुदीना और नींबू के साथ परोसा जाए, मॉकटेल बनाया जाए या फालूदे में इस्तेमाल हो - यह शरबत कई तरीकों से इस्तेमाल कीया जा ससकता है और किसी भी गर्मियों की पार्टी या दावत के लिए एकदम परफेक्ट है। समरवाला शरबत 750 मि.ली. की पीईटी जार (बोतल) में उपलब्ध है, जिसकी कीमत 190 रुपए है। यह बोतल उपयोग में आसान, मजबूत और दोबारा इस्तेमाल की जा सकने वाली है, जिससे यह रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त बनती है। यह खास शरबत रेंज बिग बास्केट जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर और प्रमुख रिटेल स्टोर्स में उपलब्ध है, जिससे बेवरज सेगमेंट में ब्रांड की बढ़ती उपस्थिति और मजबूत हो रही है।

किआ इंडिया ने कैरेन्स क्लैविस लॉन्च की

मुंबई। किआ इंडिया, एक अग्रणी मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी, ने अपने कैरेन्स पोर्टफोलियो में एक नया मॉडल कैरेन्स क्लैविस लॉन्च किया है। यह एक बड़ी, बोल्ड और बेहद स्पेशियस 3-रो कार है, जिसे आज के समय के आधुनिक और बड़े भारतीय परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कैरेन्स क्लैविस एमपीवी और एसयूवी के बीच की दूरी को कम करती है और इसमें आराम, जगह और बोल्ड डिजाइन को आधुनिक तकनीक, सुरक्षा और भविष्यवादी लुक के साथ खूबसूरती से जोड़ा गया है। श्री ग्वांगगु ली, प्रबंध निदेशक और सीईओ, किआ इंडिया ने कहा, हम जो कुछ भी करते हैं, उसकी नींव नवाचार पर टिकी है जो उन्नत तकनीक और अनोखे डिजाइन से प्रेरित होता है। कैरेन्स क्लैविस का लॉन्च हमारी यात्रा में एक अहम पड़ाव है। यह हमारे प्रगतिशील, प्रीमियम और उद्देश्यपूर्ण दृष्टिकोण को दशार्ता है। हम अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को बखूबी समझते हैं और कैरेन्स क्लैविस के जरिये हम सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि ऐसा अनुभव दे रहे हैं जो सोच-समझकर डिजाइन किया गया है और जो रोजमर्रा की यात्रा को बेहतर बनाता है। हमने लगातार सीमाओं को चुनौती देते हुए स्मार्ट और डिजाइन-केंद्रित समाधान देने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो परिवारों को सशक्त बनाते हैं और हर ड्राइव में आत्मविश्वास देते हैं।

क्लैविस नाम लैटिन शब्द क्लैविस औरिया से लिया गया है, जिसका अर्थ है गोल्डन की। यह नाम यादगार पारिवारिक रोमांच और हमेशा सहेज कर रखने वाली यादों का प्रतीक है। कैरेन्स क्लैविस के जरिए किआ एक ऐसी कार पेश कर रहा है जो नई पीढ़ी के परिवारों की आकांक्षाओं को दशार्ती है – जिसमें सूझबूझ से लिया गया डिजाइन, सोच-समझ कर दी गई खूबियाँ और वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक शामिल हैं। कैरेन्स के लॉन्च के बाद से ही किआ ने भारत में फैमिली कार सेगमेंट की परिभाषा बदल दी है। सिर्फ तीन वर्षों में 2 लाख से ज्यादा भारतीय परिवारों ने इस पर भरोसा जताया है। भारतीय परिवारों की जरूरतों को गहराई से समझते हुए – जहाँ हर यात्रा में पीढ़ियों के साझा अनुभव जुड़े होते हैं – कैरेन्स ने अपने स्पेस, आराम और भावनात्मक अपील से सबका दिल जीता है।

अब कैरेन्स क्लैविस उसी सफर की अगली कड़ी है। यह कार बदलती जीवनशैली और नई आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसमें 6 और 7-सीटर का आरामदायक विकल्प मौजूद है, जो बोल्ड डिजाइन, प्रीमियम स्पेस और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर आधुनिक भारतीय परिवारों को एक बेहतरीन और सुविधाजनक अनुभव देती है। कैरेन्स क्लैविस का डिजाइन बोल्ड और आकर्षक है, जो खूबसूरती और स्पोर्टी अंदाज को एसयूवी जैसी मजबूती के साथ जोड़ता है। इसकी हाई-टेक खूबियाँ और आधुनिक इंजीनियरिंग आत्मविश्वास जगाती हैं। यह उन परिवारों के लिए आदर्श है, जो स्टाइल के साथ-साथ उपयोगिता भी चाहते हैं। इसका हर हिस्सा झ चाहे लाइन हो या सतह झ इसे मजबूत, आधुनिक और साहसिक बनाता है। यह कार उन लोगों के लिए है जो कहीं भी बेझिझक जाना चाहते हैं झ यह वर्सेटिलिटी और स्मार्ट इनोवेशन का शानदार मेल है। कैरेन्स क्लैविस का बाहरी लुक किआ के अपोजिट्स यूनाइटेड डिजाइन फिलॉसफी से प्रेरित है। इसमें क्लीन लाइन्स और आत्मविश्वास से भरा कैरेक्टर देखने को मिलता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सेना के शौर्य के आगे नतमस्तक है पूरा देश : कृपाशंकर सिंह

लंका दहन हो चुका रावण का वध है बाकी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों को इस घटना की भनक तक नहीं लगी और आज पूरा देश इन सैनिकों के प्रति नतमस्तक है। उक्त बातें महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री एवं विगत लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रहे कृपा शंकर सिंह ने नगर स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में व्यक्त किया। उन्होंने उक्त अभियान में भागीदारी करने वाली दोनों महिला सैन्य अधिकारियों के शौर्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे यहां का इतिहास देखा जाए तो बेटियां कभी शालीनता की मूर्ति के रूप में सीता होती हैं तो कभी पालन पोषण करने वाली अन्नपूर्णा देवी होती हैं परंतु आसुरी शक्तियों का दमन करना होता है तो वह रौद्र रूप धारण करके महाकाली बन जाती हैं। पूर्व गृह राज्य मंत्री ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए शुभम के पिता ने कहा की लंका दहन तो हो चुका है किंतु अभी रावण का वध होना बाकी है। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद जौनपुर और देश का आक्रोश चरम पर था। जौनपुर में क्षेम जी की प्रतिमा के पास से कैंडल मार्च निकाला गया था जगह-जगह आतंकवाद के विरोध में जनता मुखर हो रही थी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की धरती से कहा था कि आतंकवादियों को जो सजा मिलेगी उसकी कल्पना नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने आगे की रणनीति तय की और आतंकी ठिकाने नष्ट किए गए। जल थल और नभ सेवा के अध्यक्षों के नेतृत्व में भारतीय सेवा ने अपना पराक्रम दिखाया इसके लिए देश को इन सपूतों पर गर्व है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह श्याम राज सिंह राम मोहन सिंह रविंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

फिर जाँच करने पहुँचे सार्वजनिक प्राथमिक विद्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के पुरानी बाजार स्थित सार्वजनिक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र यादव जब से ट्रांसफर होकर आए और प्रधानाचार्य का पद भार ग्रहण किया तब से विवादों से उनका गहरा नाता जुड़ गया।पुरानी बाजार स्थित उक्त वार्ड के सभासद ने भी कई बार विद्यालय में तानाशाही रवय्या अपनाने का आरोप लगाए हुए शिकायत किया था। जिसपर काफी हो हल्ला के बाद विभाग ने एक जांच कमेटी गठित किया था।हालांकि जांच में क्या पाया गया। कुछ पता नही चल सका।

सभासद के आरोपों के कुछ समय बीतने के बाद ही विद्यालय की एक शिक्षका ने उक्त प्रधानाचार्य पर बहुत ही गम्भीर लगाया था जिसका मामला कोतवाली में भी पहुंचा जहां काफी दबाव के बाद सुलह समझौता हो गया।

एक माह पूर्व दो खण्ड शिक्षा अधिकारी भी पहुंचे थे विद्यालय जांच करने लगभग एक माह पूर्व भी करंजाकला के खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार और सुइथाकला खण्ड शिक्षा अधिकारी आनंद सिंह भी विद्यालय में पठन पाठन आदि की जांच सहित कई अन्य बिंदुओं की जांच करने पहुंचे थे।मगर पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब देने से सीधे इनकार कर दिया था। इतनी शिकायतों और जांच के बाद भी कुछ सामने न आना भी एक सवाल खड़ा करता है की अधिकारी किस दबाव में है उक्त प्रधानाचार्य पर अभी तक कोई कार्यवाई नही हुई।गुरुवार को शाहगंज खण्ड शिक्षा अधिकारी बसन्त शुक्ला भी उक्त विद्यालय पहुंचे। जब पत्रकारों ने सवाल किया तो वही पुराना घिसा पिटा बयान की रूटीन जांच है।

नाम न छापने की शर्त पर एक शिक्षिका ने बताया की प्रधानाचार्य वीरेंद्र यादव अपनी मनमानी करते है और तानाशाही रवय्या अपनाते हैं।जिसकी शिकायत भी की गई थी।मगर जब भी जांच हुई है हम शिक्षिकाओं का पक्ष नही सुना जाता है। जांच अधिकारी कार्यालय में भरपूर जलपान कर-के एक पक्षीय सुनवाई करके चले जाते हैं।वहीं वार्ड की सभासद के प्रतिनिधि अमरनाथ गौतम ने बताया की गुरूवार को सूचना मिलने पर विद्यालय गया था और खण्ड शिक्षा अधिकारी से बात की तो उन्होंने रूटीन चेकिंग की बात कह कर बाहर जाने को कहा।

भारतीय सेना को सैयद अमानत युवा समाज सेवी जौनपुर ने किया सैल्यूट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानो पर ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक का स्वागत करते हुए सैयद अमानत ने कहाकि हमारी बहादुर फौज ने ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक कर के आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया है।ये मुल्क के लिए गर्व और इत्मिनान का सबब है। हम सभी देशवासी इस कामयाबी पर हूकूमत और भारतीय सेना को दिल से मुबारकबाद पेश करते हैं।इसके लिए हम भारतीय सेना को सैल्यूट करते है।सैयद अमानत ने कहाकि यह जरूरी था कि पाकिस्तान की नापाक साज़िशों का मुँह तोड़ जवाब दिया जाए, और हमारी जाबांज फौज ने यह काम बहुत ही बेहतरीन अंदाज में अंजाम दिया है ।इससे न सिर्फ. दुश्मन के हौसले पस्त हुए हैं।बल्कि मुल्क भर के लोगों का सर भी फख्र से बुलंद हो गया है । उन्होंने कहाकि हुकूमत इस बात का एहसास रखती है कि आवाम ने हर मुश्किल वक़्त में फौज का साथ दिया है, और इस बार भी उन्होंने हिम्मत और इत्मिनान का मुजाहिरा किया है।यह हमारी कौमी यकजेहती और बहादुरी की ज़िंदा मिसाल है। हम अपने मुल्क के उन बहादुर जांबाजों को भी सलाम करते हैं जिन्होंने वतन की इज्जत और हिफाजत के लिए अपनी जान दी है। जिनकी कुर्बानियों के नतीजे में आज सारी दुनिया में हमारा मुल्क आजादी और सलामती का प्रतीक बना हुआ है। दुनिया हमारे मुल्क को इज्जत की नजर से देखती हैउनकी कुर्बानियाँ हमेशा याद रखी जाएँगी।

बारात से चार दिन पहले युवती गायब, थाने में बिलख बिलख कर रो पड़े माता पिता

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में अपनी शादी के लिए बारात आने के चार दिन पूर्व मंगलवार की रात युवती घर से गायब हो गई। सुबह जानकारी होते ही माता-पिता अचंभित रह गये। दोनों शादी का कार्ड हाथ में लिये थाने पहुंच बेटी की बरामदगी के लिए बिलख बिलखकर रो पड़े। उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। गांव निवासी युवती के माता पिता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बेटी की बारात 11 मई को घर आने वाली थी। दिन रात मेहनत करके शादी की तैयारियां की जा रही थी। रात में बेटी घर से गायब हो गई। आरोप लगाया कि बगल गांव का एक युवक उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। गुहार लगाई है कि यदि पुलिस त्वरित कार्रवाई कर उसे बरामद कर लेती है तो वह लोकलाज से जहां बच जायेगा। वहीं नियत तिथि को बेटी के हाथ पीले कर उसका भविष्य भी बर्बाद होने से बचा लिया जायेगा। प्रभारी निरीक्षक मुन्ना राम घुरिया ने बताया कि तहरीर मिली है, छानबीन कराई जा रही है।

राजघाट पुल पर बार-बार खराब हो रहे वाहन, यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राजघाट पुल इन दिनों वाहनों की सेहत का इम्तहान ले रहा है। गुरुवार को एक बार फिर एक पिकअप वाहन बीच पुल पर खराब हो गया और ट्रैफिक रुक गई। आदमपुर चौकी इंचार्ज अंकित राय ने मौके पर पहुंच कर खराब वाहन को मिस्त्री बुलवाकर बनवाने के साथ पुल पर लगे जाम को समाप्त कराया, लेकिन लगातार दूसरे दिन राजघाट पुल पर पिकअप वाहन के खराब हो जाने से यातायात प्रभावित हुआ। राजघाट पुल पर आए दिन वाहनों के खराब होने से जनता परेशान है। दूसरी ओर पुलिस को भी यातायात व्यवस्था संभालने में खाशा परेशान होना पड़ रहा है। गौर करने वाली बात यह है कि इस पुल पर जाम लगने के बाद लोगों के पास दूसरा कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं होता। यह पुल शहर के उत्तर और दक्षिण हिस्से को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है।

जौनपुर पूर्वांचल यूनिवर्सिटी की नशरा का एएसआरआई राष्ट्रीय इंटर्नशिप हेतु चयन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर की बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा नशरा फातिमा का चयन देश के प्रतिष्ठित अभिजीत सेन रुलर इंटर्नशिप प्रोग्राम2025 में चयन न केवल पीयू बल्कि पूरे पूर्वांचल क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

ASRI, नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया (NFI) द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो युवाओं को ग्रामीण भारत की सामाजिक व नीतिगत संरचना को गहराई से समझने का अवसर देता है। हर वर्ष इस इंटर्नशिप के लिए सैकड़ों आवेदन आते हैं, लेकिन चयन केवल 40-50 छात्रों का ही होता है। नशरा फातिमा को पहले चरण में शॉर्टलिस्ट किए जाने के बाद 22 मार्च 2025 को NFI, नई दिल्ली में आयोजित पैनल इंटरव्यू में आमंत्रित किया गया, जहां देशभर से चुनिंदा छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो वंदना सिंह ने शुभकामना देते हुए कहा कि नशरा का यह चयन दशार्ता है कि पूर्वांचल जैसे क्षेत्र से भी राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई जा सकती है। इस अवसर पर संकाय भवन के प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो मनोज मिश्र, डॉ. मनोज कुमार पांडे, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अमित मिश्रा, अर्पित यादव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

बच्चों का हुआ टीकाकरण और किए गए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद कस्बा क्षेत्र के मोहल्ला नासही में स्थित एम एच कान्वेंट स्कूल के प्रांगण में सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं टी डी टीकाकरण के अंतर्गत आज स्कूल प्रांगण में टीकाकरण करने के लिए सबसे पहले स्वास्थ विभाग की टीम पहुंची। एन एम नेहा कुमारी स्कूल में उपस्थित सभी बच्चों को टी डी टीके के बारे में जानकारी दी और उससे होने वाले लाभ के बारे में बताया। जो इस टीके को लगवा लेगा फिर उसे बार-बार टेटनेस का टीका लगवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि बच्चे खेलते हैं कूदते हैं जिससे की चोट लग जाती है खरोच आ जाती है तो टिटनेस का टीका लगवाना पड़ता है। बच्चों को लाइन में खड़ा कर एक-एक बच्चों को टीका लगाया गया और उसकी सावधानियां बताइ गई इस अवसर पर स्वास्थ कर्मी जमील अहमद, उषा, नेहा कुमारी और निशि, रश्मिता ,आफरीन रिंकी, बुशरा, रूपेश, संदीप धीरज, जितेंद्र ,आदि लोगों उपस्थित रहे। अंत ने इजहार हुसैन ने सभी आगंतुक का शुक्रिया अदा किया।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर मानवता के पक्ष में संगोष्ठी संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी ,अध्यक्ष इंडियन रेडक्रास सोसाइटी डॉ.दिनेश चंद्र सिंह ने कहा कि रेड क्रॉस के संस्थापक, मानवता के सच्चे मसीहा सर जीन हेनरी ड्यूनांट के जन्मदिवस 08 मई के अवसर पर, मैं सभी रेडक्रास के सम्मानित सदस्यों ,स्वयंसेवकों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देता हूँ।आप सभी में वह शक्ति हैं जो हर आपदा, संकट और चुनौती के समय निःस्वार्थ सेवा भावना के माध्यम से सदैव मानवता के पक्ष में खड़े रहते हैं। रेड क्रॉस केवल एक संगठन नहीं, बल्कि यह करुणा, सहायता और आशा का प्रतीक है । यह सिर्फ एक थीम नहीं, बल्कि एक आह्वान है कि हम सब मिलकर सेवा, सहानुभूति और सहयोग की भावना से मानवता को जीवित रखें। इस वर्ष का रेडक्रास की थीम मानवता के पक्ष में है जो रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट आंदोलन के मूल सिद्धांतों का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा प्रत्येक प्रयास, प्रत्येक सेवा मानव कल्याण एवं गरिमा की रक्षा के लिए है। चाहे वह प्राकृतिक आपदा हो या संघर्ष की स्थिति रेड क्रॉस सदैव सबसे पहले सभी जरूरतमंदों के साथ , बिना किसी पूर्वाग्रह या भेदभाव के खड़ा रहता है।

शहर में भीषण हादसा एक साथ दो की मौत, तीसरे की हालत गंभीर

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के जगदीशपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास आज एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ट्रांसफार्मर से टकरा गई जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना रात्रि लगभग दस बजे की है न्यू मॉडल स्कॉर्पियो पर पांच लोग सवार थे।बहुत तेज रफ्ता होने के कारण स्कॉर्पियो एक बिजली के ट्रांसफार्मर से जा टकराई। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार ट्रांसफार्मर से टकराकर यह स्कॉर्पियो पेड़ से भी जाकर टकरा गई। इसमें सवार पांचो घायलों को मोहल्ले वासियों द्वारा 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सक ने पांच में से सचिन कुमार लगभग 25 वर्ष पुत्र गोरखनाथ ग्राम खोजनपुर और नन्हकू उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र जयप्रकाश निवासी हरजूपुर थाना जाफराबाद को मृत घोषित कर दिया। इन्हीं के साथ घायल अंशुमान 23 वर्ष छोटू उम्र लगभग 26 पुत्र दूध नाथ निवासी फरीदपुर थाना जाफराबाद और छोटू मौर्य उर्फ बृजेश पुत्र पप्पू उर्फ अशोक मौर्य निवासी हरजूपुर थाना जाफराबाद गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। गाड़ी की स्पीड इतनी अधिक रही की उसका पहिया इधर-उधर छटक गया। आश्चर्य जनक बात तो यह है कि थाने से कुछ ही दूर पर यह दुर्घटना घटित हुई लेकिन फिर भी पुलिस 2 घंटे बाद विलंब से पहुंची और सिर्फ खाना पूर्ति करने में जुटी दिखाई ही। अस्पताल के प्रशासन ने सभी मरीजों का इलाज तत्परता से करते हुए लाश को लाश घर में रखवा दिया। दूसरी तरफ मृतक सचिन और ननकू के परिजन विलाप करते हुए जिला अस्पताल पहुंचे और पुलिस के काफी विलंब आने के कारण आक्रोश जता रहे थे।

शाहगंज पुलिस ने तमंचा, कारतुस व नकदी के साथ किया गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एव अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्वेक्षण में थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा झपट्टेमारी से संबंधित शातिर आरोपी मोनू पुत्र महेंद्र नोना निवासी शाहपुर थाना जलालपुर जनपद अंबेडकर नगर उम्र 25 वर्ष को दिनांक 07.05.2025 को समय रात्रि 22.55 बजे एक नाजायज तमंचा .315 बोर व एक जिंदा कारतूस .315 बोर के साथ मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर क्रमशः मु0अ0सं0 151/ 2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही करते मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

ओबरा बी तापीय परियोजना में लगी भीषण आग, दो यूनिट बंद

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। जिले के ओबरा बी तापीय परियोजना में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब परियोजना के स्वीच यार्ड में लगे दो इंटर-कनेक्टिंग ट्रांसफार्मर अचानक आग की लपटों में घिर गए।आग इतनी भीषण थी कि इसकी लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं और पूरे क्षेत्र में धुएं का गुबार छा गया। ये दोनों इंटर कनेक्टिंग ट्रांसफार्मर इकाई संख्या 10 और 11 के बताए जा रहे हैं। ट्रांसफार्मरों में आग लगने के कारण परियोजना की 10वीं और 11वीं इकाई भी ट्रिप हो गई हैं, जिससे परियोजना का बिजली उत्पादन लड़खड़ा गया।इससे प्रदेश के कई हिस्सों को आपात बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। दोनों ट्रांसफार्मरों में एक साथ आग लगने से परियोजना में अफरा-तफरी मच गई। उधर, आग लगने की सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के दमकल दस्ते मौके पर पहुंच गए और आधा दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं।

काशी विद्यापीठ ब्लॉक पर आयोजित सामूहिक शादी में 20 जोड़े वर वधुओं ने पहनाया वरमाला

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी विद्यापीठ ब्लाक मुख्यालय पर ब्लॉक प्रमुख रेनू पटेल की अध्यक्षता तथा खंड विकास अधिकारी राजेश यादव की देखरेख में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्राह्मण द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ क्षेत्र से आए हुए 20 जोड़े वर बधुओं को एक साथ सिंदूरदान के बाद वर वधूओ ने एक दूसरे को वरमाला बनाते हुए साथ जीने मरने की कसमें खायी। सामूहिक शादी के दौरान मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या तथा विशिष्ट अतिथि एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवेश पटेल ने सभी नव विवाहित वर बधुओं को आशीर्वाद देते हुए प्रमाण पत्र के साथ कपड़ा, बर्तन, पंखा, चांदी की पायल, बिछिया इत्यादि विभिन्न सामान उपहार के रूप में दिया। एडीओ समाज कल्याण शैलेंद्र कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा लगभग एक सप्ताह में सभी नव विवाहित वधुओ के खाते में 35 हजार रुपया भेजा जाएगा।इस अवसर पर मुख्य रूप से अखिलेश यादव, सावन पटेल, श्यामबली पटेल ,विनोद पटेल, अजय विश्वकर्मा, विकास पटेल, रामचंद्र गौतम इत्यादि लोग शामिल रहे।

श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर नगर के मोहल्ला गुड़हाई (मलिया का गोडा) में यजमान लल्लू राम प्रजापति व उनकी धर्म पत्नी कुंती देवी के यहां चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन सुश्री प्रज्ञा जी श्रीधाम वृन्दावन ने भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव की लीला का वर्णन किया। जन्मोत्सव पर बधाई और मंगल गीत गाते हुए श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए दिखे।कथा व्यास ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की लीला का भावपूर्ण रसपान भक्तो को कराया। श्रीमद् भागवत कथा में चौथे दिन बुधवार को कर्मयोगी भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बड़े आनंद और हर्षोल्लास के साथ धूम-धाम से मनाया गया। कंस के कारागार में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। भगवान कृष्ण जन्मोत्सव में नन्हें बालक ने भगवान कृष्ण का रूप धारण कर उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इसमें उन्होंने श्री कृष्ण से संस्कार की सीख लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण स्वयं जानते थे कि वह परमात्मा हैं। इसके बाद भी वह अपने माता-पिता के चरणों को प्रणाम करने में कभी संकोच नहीं करते थे। श्रीमद भागवत कथा के माध्यम से भागवत व्यास पर विराजमान सुश्री प्रज्ञा जी के मुखारविन्द से धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। कहा कि जब-जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ा है, तब-तब प्रभु का अवतार हुआ है। प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। जब धरा पर मथुरा के राजा कंस के अत्याचार अत्यधिक बढ़ गए, तब धरती की करुण पुकार सुनकर श्री हरि विष्णु ने भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया। इसी प्रकार त्रेता युग में लंकापति रावण के अत्याचारों से जब धरा डोलने लगी तब मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने जन्म लिया। प्रभु हमें समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। इसलिए असार यानी संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है।

आशीर्वाद मसाला छाछ अब 200 मिली पाउच में होगा उपलब्ध

गया। पूर्वी भारत का लोकप्रिय डेयरी ब्रांड आशीर्वाद, अब बिहार में अपने फ्रेश डेयरी प्रोडक्ट्स की रेंज को और भी मजबूत करते हुए मसाला छाछ 10 रुपये के किफायती दाम पर लेकर आया है। गर्मियों की शुरूआत मे यह नई पेशकश एकदम सही समय पर आई है, जो स्वाद और ताजगी का बढ़िया मेल पेश करती है। आशीर्वाद मसाला छाछ खासतौर पर बिहारी स्वाद के लिए स्थानीय स्तर मे ही तैयार किया गया है, जिस से आपको मिले ताजगी भरा घर जैसा एहसास।

भारतीय सेना को धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने किया सैल्यूट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानो पर ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक का स्वागत करते हुए धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहाकि हमारी बहादुर फौज ने ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक कर के आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया है , ये मुल्क के लिए गर्व और इत्मिनान का सबब है। हम सभी देशवासी इस कामयाबी पर हूकूमत और भारतीय सेना को दिल से मुबारकबाद पेश करते हैं। इसके लिए हम भारतीय सेना को सैल्यूट करते है। मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहाकि यह जरूरी था कि पाकिस्तान की नापाक साज़िशों का मुँह तोड़ जवाब दिया जाए, और हमारी जाबांज फौज ने यह काम बहुत ही बेहतरीन अंदाज में अंजाम दिया है ।इससे न सिर्फ.दुश्मन के हौसले पस्त हुए हैं, बल्कि मुल्क भर के लोगों का सर भी फख्र से बुलंद हो गया है। उन्होंने कहाकि हुकूमत इस बात का एहसास रखती है कि आवाम ने हर मुश्किल वक़्त में फौज का साथ दिया है, और इस बार भी उन्होंने हिम्मत और इत्मिनान का मुजाहिरा किया है। यह हमारी कौमी यकजेहती और बहादुरी की ज़िंदा मिसाल है । हम अपने मुल्क के उन बहादुर जांबाजों को भी सलाम करते हैं जिन्होंने वतन की इज्जत और हिफाजत के लिए अपनी जान दी है। जिनकी कुर्बानियों के नतीजे में आज सारी दुनिया में हमारा मुल्क आजादी और सलामती का प्रतीक बना हुआ है। दुनिया हमारे मुल्क को इज्जत की नजर से देखती है। उनकी कुर्बानियाँ हमेशा याद रखी जाएँगी ।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
गुसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज
मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का इलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

बाइक को टक्कर मारकर पलटी कार, तीन लोगों की मौत

बिजनौर (उत्तरशक्ति)। नहटौर के गांव श्यालू नंगला जा रहे महमूदपुर कामिल उर्फ नवादा निवासी राज मिस्त्री सईद (45), फरीदपुर निवासी नूर शाह (55) और काजीपुर निवासी नूर आलम (30) की बाइक में कार ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार भी पलट गई। कार का चालक मौके से भाग निकला। नूर शाह और नूर आलम राज मिस्त्री सईद के पास मजदूरी करते थे। तीनों बृहस्पतिवार की सुबह बाइक से श्यालू नंगला में काम पर जा रहे थे।

फुलसंदा में कोतवाली देहात की ओर से आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया। वहां सईद और नूर शाह को मृत घोषित कर दिया गया। नूर आलम को बिजनौर रेफर किया गया। उसने भी बिजनौर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

करंट की चपेट में आने से टेक्नीशियन की मौत

गोरखपुर ,गगहा/बेलीपार। गगहा क्षेत्र के जगदीशपुर भलुआन में एक टेक्नीशियन की बुधवार सुबह करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। वह मोबाइल टावर मशीन में आई खराबी ठीक करने गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। जानकारी के मुताबिक, बेलीपार थाना क्षेत्र के चारपान निवासी सुशील पांडेय (38) पुत्र अभयनंदन पांडेय बुधवार की सुबह जगदीशपुर भलुवान स्थित एक निजी मोबाइल टावर की खराब मशीन को ठीक करने गया था। मशीन को चालू करने के दौरान सुशील ने हाथ से डीसी करंट के नंगे तार को पकड़ लिया। करंट की चपेट में आने से सुशील की मौके पर ही मौत हो गई। बायां हाथ बुरी तरह झुलस गया था।

शुरूआत में मौके पर पहुंचे आसपास के लोग समझ ही नहीं पाए कि घटना कैसे हुई। शव को निकालते समय हाथ में तार का हिस्सा देखकर लोगों ने करंट से मौत की आशंका जताई। रिटायर्ड रोडवेज कर्मी अभयनंदन पांडेय के दो पुत्रों में सुशील बड़ा था। वह टावर टेक्नीशियन का कार्य करता था। सुशील अपने पीछे एक बेटा (10) और बेटी (8) छोड़ गया है। पिता की मौत के बाद बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसओ सुशील कुमार ने बताया की प्रथम दृष्टया मशीन चालू करते समय डीसी करंट की चपेट में आने से मौत की आशंका जताई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

मंडप छोड़कर प्रेमी संग भागी दुल्हन

फरुर्खाबाद (उत्तरशक्ति)। शादी के मंडप में खुशियों की रौनक थी। बरात आने से चंद घंटे पहले दुल्हन मंडप छोड़कर प्रेमी के संग फरार हो गई। जिस घर में शहनाइयां बजनी थीं, वहां सन्नाटा पसर गया। गांव में गुरुवार को मैनपुरी से बरात आनी थी। परिजन शादी की अंतिम तैयारियों में जुटे थे। इसी बीच अचानक दुल्हन के गायब होने की जानकारी मिली तो परिवार में खलबली मच गई। युवती के न मिलने पर पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार युवती का गांव के ही बिरजू नामक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बिरजू दूसरी जाति से ताल्लुक रखता है। इस कारण दोनों की शादी परिवार को मंजूर नहीं थी। दुल्हन के प्रेमी के संग भागने की सूचना जब वर पक्ष को दी गई, तो उन्होंने शादी से इन्कार कर दिया। बरात भी नहीं आई। इधर, युवती की बड़ी बहन ने बिरजू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस युवती और बिरजू की तलाश में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक अनुराग मिश्रा ने बताया कि युवती के परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। युवती और युवक की तलाश की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में लगी आग, जिंदा जला पांच साल का बच्चा

कानपुर (उत्तरशक्ति)। कानपुर में चकेरी के सनिगवां में संदिग्ध हालात में मकान के एक कमरे में आग लग गई। आग की चपेट में आने से एक पांच वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मासूम अपनी मां और बेटे के साथ लखनऊ से मौसी की शादी समारोह में शामिल होने कानपुर आया था। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इंकार कर दिया। मूलरूप से लखनऊ के निगोहा थानाक्षेत्र के सकरा गांव निवासी अमानत चट्टा संचालक हैं। चकेरी के सनिगवां में अमानत का ससुराल है। मंगलवार को अमानत की पत्नी चांदनी अपने बेटे शाद और पांच वर्षीय बेटे जमान के साथ मायके बहन नसरीन की शादी समारोह में शामिल होने आई थी। 10 मई को नसरीन की शादी है। जमान के नाना करीब ने बताया कि बुधवार दोपहर को जमान बच्चों के साथ कमरे में खेल रहा था। उस दौरान परिवार के अन्य लोग शादी की तैयारियों में लगे थे। तभी अचानक कमरे में आग लग गई। उसके साथ खेल रहे दो बच्चे तो कमरे से बाहर भाग निकले, लेकिन जमान कमरे में फंस गया। आग की चपेट में आने से जमान और कमरे में रखा दहेज का सारा सामान जल गया। कमरे से लपटें उठती देख परिवार के सदस्यों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग और भड़क उठी। इस बीच मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

सनिगवां चौकी प्रभारी अंकित खटाना ने बताया कि आग की चपेट में आए जमान को कपड़े में लपेटकर कांशीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। परिजनों ने बच्चे का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। इधर बेटे की मौत से मां चांदनी का रो रोकर बुरा हाल है।

लेन-देन के विवाद में जानलेवा हमला

बस्ती। रुपये के लेन देन के विवाद में जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। लालगंज निवासी अजय श्रीवास्तव ने तहरीर देकर बताया है कि पांच मई की शाम करीब चार बजे पूर्व में मछली खरीदने के पैसे के लेन-देन के विवाद को लेकर विपक्षियों ने मामा रमेश लाल व उनके बेटे अर्नव को एक राय होकर जान से मारने की नीयत से प्राणघातक हमला किया। बुरी तरह उन्हें मारापीटा।

मामा का दांत टूट गया। बाद में आरोपितों ने गोलबंद होकर घर में घुसकर पट्टीदार बबलू श्रीवास्तव को मारापीटा। घर में रखे सामान को तोड़ दिया। थानाध्यक्ष शशांक शेखर राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी दशथ, कल्लू, विशाल, कोईल, दशथ के बेटे, दशथ की पत्नी और 15 से 20 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डीएम ने किया विद्युत वितरण निगम के जीएमआर एवं जीनस के एनओएमसी रूम का निरीक्षण

सुरेश गांधी

वाराणसी। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने गुरुवार को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, वाराणसी के मुख्यालय स्थित निगम के जीएमआर एवं जीनस के एनओएमसी (नेटवर्क ऑपरेशन एंड मॉनिटरिंग सेंटर) रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा रियल-टाइम विद्युत आपूर्ति निगरानी प्रणाली, डेटा विश्लेषण तथा समस्या निवारण प्रक्रियाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान दी गई।

इसके अतिरिक्त निदेशक तकनीकी द्वारा स्मार्ट मीटर से डिस्कॉम एवं उपभोक्ताओं को होने वाले लाभ से भी अवगत कराया गया। साथ ही प्रबंध निदेशक द्वारा वाराणसी मॉडरनाइजेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत डिस्कॉम मुख्यालय में

प्रस्तावित स्काडा कंट्रोल रूम के बारे में भी जानकारी दी गई। तदोपरांत जिलाधिकारी द्वारा 1912 कस्टमर केयर सेंटर का भी भ्रमण किया गया, जहां उपभोक्ता शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया का अवलोकन किया गया।

जिलाधिकारी ने टेलीकॉलर्स द्वारा समाधान की गई शिकायतों पर लिए जा रहे फीडबैक एवं ट्विटर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से प्राप्त शिकायतों के प्रति त्वरित व प्रभावी कार्यवाही की सराहना की गयी।

जिलाधिकारी द्वारा उपभोक्ता सेवा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए तथा तकनीकी दक्षता व पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार की व्यवस्थाओं को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रबंध निदेशक द्वारा जिलाधिकारी को महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन पर आधारित ह्लमहाकुंभ 2025 की झलकियांह्व नामक स्मृति संकलन भेंट किया गया। निरीक्षण के अवसर पर निदेशक (तकनीकी), निदेशक (वाणिज्य), मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बेकाबू कार की टक्कर से बाइक की मौत

कानपुर (उत्तरशक्ति)। कानपुर में महाराजपुर थानाक्षेत्र के नवोदयनगर स्थित राधे पेट्रोल पंप के सामने बेकाबू कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दादी की मौत हो गई जबकि दादा व नाती घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए हैलट में भर्ती कराया है जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। सरसौल कस्बा निवासी 15 वर्षीय अमन बुधवार को अपने दादा रामपाल व दादी रामश्री (65) के साथ बाइक से फतेहपुर खजुहा एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में नवोदयनगर के पास स्थित श्री राधे पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल डलवाया। पेट्रोल भराकर जैसे ही कानपुर-फतेहपुर हाईवे पर चढ़ा, तभी ओवरब्रिज के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार वैगन आर कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर बैठे दादा व दादी उछलकर दूर जा गिरे। वहीं, अमर बाइक समेत सड़क पर गिर गया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। डॉक्टरों ने तीनों की हालत गंभीर देखते हुए हैलट रेफर कर दिया। हैलट जाते वक्त रामश्री ने दम तोड़ दिया।

जंगल में लटकती मिला युवक-युवती की लाश,हत्या की आशंका

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सोनभद्र के रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के बैजनाथ जंगल में गुरुवार को युवक-युवती का शव एक साथ पेड़ से लटकता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। एसपी और सीओ ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। देर शाम तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई थी। प्रथम दृष्टया पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। बैजनाथ गांव से सटे जंगल में गुरुवार की दोपहर बाद पशु लेकर गए चरवाहों की नजर बरगद के पेड़ से लटकते शव पर पड़ी। फंदे के सहारे युवक-युवती का शव लटक रहा था। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। रामपुर बरकोनिया एसओ कमल नयन दुबे भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। शव को फंदे से उतरवाकर छानबीन शुरू की। कुछ देर बाद एसपी अशोक कुमार मीणा, सीओ सदर रणधीर मिश्र भी घटनास्थल पर पहुंचे। आसपास के ग्रामीणों के माध्यम से शव की शिनाख्त का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। पुलिस के मुताबिक, दोनों की उम्र 20 से 30 के बीच है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि मौके की स्थिति देखने से प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है। फिर भी सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। शव को 72 घंटे तक पहचान के लिए रखा गया है। इसके बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

धारदार हथियार से गला रेतकर महिला हत्या

कुशीनगर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के चंदरपुर मलगहा में दहेज के लिए महिला सुंदरी को ससुराल वाले परेशान तो कर ही रहे थे, बेटा पैदा नहीं होने पर उसके जान के दुश्मन बन गए। ससुराल वालों ने मंगलवार को घर में धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस की पूछताछ में सुंदरी की दोनों बेटियों ने भी यह बात बताई है। पुलिस विवाहिता के पिता की तहरीर पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। रामकोला थाना क्षेत्र के चंदरपुर मलगहा गांव निवासी कुंदन गुप्ता की शादी करीब नौ साल पहले जटहां बाजार थाना क्षेत्र के नहिरिया गांव निवासी राजेन्द्र गुप्ता की बेटी सुंदरी (33) के साथ हुई थी। दोनों से दो बेटियां हैं। राजेंद्र गुप्ता ने पुलिस को बताया कि जब से शादी हुई तब से दहेज को लेकर अक्सर ससुराल वाले सुंदरी को प्रताड़ित करते थे।

इसको लेकर कई बार रिश्तेदारों की मौजूदगी में पंचायत भी हो चुकी थी। सुंदरी अपनी बेटियों को लेकर मायके आई थी।

बेटा नहीं होने पर उसे जान से मारने और दूसरी शादी करने की धमकी कुंदन ने दी थी। घटना के चार दिन पूर्व सुंदरी अपनी बेटियों को लेकर ससुराल आई थी। कुंदन, इसके भाई, सास, ससुर ने मिलकर उसकी गर्दन घर के अंदर ही धारदार हथियार से रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद महिला का पैर फिसलने से गिरकर सब्जी काटने वाले पहसुल से गला कटने की कहानी बनाने लगे। घर में घटना को अंजाम देने के दौरान सुंदरी की दोनों बेटियों ने देखा था। थानाध्यक्ष आनंद गुप्ता ने बताया कि पति कुंदन गुप्ता, सास गोविंदा देवी, ससुर जवाहिर, देवर चंदन, राजन पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। पति समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार लिया गया है।

आपको बता दें कि महिला का शव घर में खून से लथपथ मंगलवार को दोपहर में मिला था। उसकी गर्दन पर गहरे जख्म थे। पूरे कमरे में खून फैला हुआ था। ससुराल वालों ने मायके में सब्जी काटने वाले पहसुल पर गिरकर गला कटने से मौत की सूचना दी। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर जाने की तैयारी करने लगे। महिला के पिता ने पहुंचकर बेटी की गर्दन कटी देखी। इसके बाद ससुराल वालों पर हत्या कर हादसे का रूप देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को फोन किया। मौके पर आई पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। वही फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच के लिए साक्ष्य जुटाई।

काशी विश्वनाथ धाम : तीन भाषाओं में शॉर्ट फिल्म कोविलूर टू काशी रिलीज

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने काशी की सनातन परंपराओं को दशार्ती एक विशेष 59 सेकंड की शॉर्ट फिल्म कोविलूर टू काशी : नेशनल यूनिटी थ्रू श्री विश्वेश्वर रिलीज की है। यह फिल्म हिंदी, अंग्रेजी और तमिल तीन भाषाओं में जारी की गई है, जो तमिलनाडु के चेट्टियार समुदाय द्वारा पिछले ढाई सौ वर्षों से काशी विश्वनाथ मंदिर में आरती सामग्री की आपूर्ति की ऐतिहासिक परंपरा को दशार्या गया है।यह शॉर्ट फिल्म काशी की विविधता में एकता की भावना को प्रदर्शित करती है। न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा काशी में सदियों से चली आ रही अनेक जीवंत परंपराओं में से एक के संबंध में बृहस्पतिवार को विशेष वीडियो रिलीज किया गया है। उन्होंने कहा कि काशी को लघु भारत इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहां उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक की सभी मान्यताओं और परंपराओं का समावेश है। यह फिल्म क्षेत्रीय और भाषाई भिन्नताओं से ऊपर उठकर सनातन एकता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय एकता का सशक्त उदाहरण है, जो देशवासियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने के लिए प्रेरित करेगा। फिल्म की रिलीज एक विशेष अवसर पर की गई, जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इस अभूतपूर्व राष्ट्रीय चेतना के माहौल में यह फिल्म सनातन धार्मिक पहचान और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संदेश देती है। 59 सेकंड की यह शॉर्ट फिल्म व्हाट्सएप, मोबाइल स्टेटस और सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए तैयार की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक परंपरा को जान सकें। न्यास ने उम्मीद जताई कि यह फिल्म देशभर में लोगों को प्रेरित करेगी और काशी की सांस्कृतिक विरासत को और प्रसारित करेगी।

राफेल को खिलौना दशार्ने पर कांग्रेस नेता अजय राय के खिलाफ रपट

वाराणसी। राफेल को खिलौना दशार्ने से पाकिस्तानी मीडिया में चर्चा में आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ चेतगंज थाने में केस दर्ज किया गया है। राष्ट्रवादी हिंदू शक्ति वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और छावनी क्षेत्र के रहने वाले प्रदीप कुमार गुप्ता की तहरीर पर चेतगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने लड़ाकू विमान राफेल को खिलौना दशार्ते हुए नींबू मिर्च लटकाकर भारतीय सेना का मनोबल तोड़ने की गरज से राष्ट्रद्रोह जैसे अपराध किए हैं। भारतीय सेना का उपहास सार्वजनिक रुप से उड़ाते राष्ट्र की सुरक्षा व्यवस्था का मजाक उड़ाया। अजय राय के कृत्य को पाकिस्तान की मीडिया ने प्रमुखता से प्रचारित किया। इस प्रकार की गतिविधियां न केवल भारतीय सेना का मनोबल गिराने का कुप्रयास था बल्कि शत्रु राष्ट्र पाकिस्तान का भी मनोबल बढाने वाला व राष्ट्रविरोधी वातावरण को बढ़ावा देने का कुप्रयास था। यह कृत्य देशद्रोह साम्प्रदायिक वर्ग को भड़काना, अफवाह व आईटी एक्ट के अपराध में आता है। थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा ने बताया की मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चेतगंज थाना के गौरव कुमार ने कहा कि बुधवार की रात थाना चेतगंज पर तहरीर प्राप्त हुई थी। इसमें सेना के लड़ाकू विमान राफेल का मखौल उड़ाने, उस पर नींबू मिर्ची लटकाने और खिलौने की तरह प्रस्तुत करने जैसे आदि आरोप लगाए गए हैं। तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

फंदे से लटका मिला संविदा कर्मी का शव

कौशांबी। थानाक्षेत्र के वैशाली सेक्टर चार स्थित बिजली घर सरकारी आवास में रहने वाले ऊर्जा निगम के संविदा कर्मी सतीश कुमार (54) का शव बुधवार सुबह फंदे से लटका मिला। पत्नी की सूचना पर कौशांबी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस की पूछताछ में सतीश के कर्ज लेने और उसके तकादे से परेशान होने की बात सामने आई है। हालांकि परिजनों ने अभी तक कोई तहरीर पुलिस को नहीं दी है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सतीश कुमार सरकारी आवास में अपने परिवार के साथ रहते थे। बुधवार सुबह करीब 7:30 जब उनकी पत्नी कमरे में पहुंचीं तब उन्होंने सतीश का शव गमछे के फंदे से लटका देखा।

खाद्यान्न माफिया को चिह्नित कर करें कार्रवाई

गाजीपुर। जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक बुधवार को राइफल क्लब कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इसकी अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के वंचित एवं कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों, विशेषकर अनुसूचित जनजाति पात्रों का चयन कर उन्हें राशन कार्ड से संतृप्त करें। कहा कि खाद्यान्न माफिया को चिह्नित कर कार्रवाई की जाए। डीएम ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 की योजना के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि सभी उपजिलाधिकारी एजेंडा जारी करते हुए ब्लॉकों पर बैठक आयोजित करें। इसमें अनिवार्य रूप से ग्राम पंचायत सचिवों को भी बुलवाएं। ग्राम पंचायत सचिव-जन्म-मृत्यु की रजिस्ट्री अधिकारी से मृतक व्यक्तियों की सूची संबंधित खंड विकास अधिकारी के माध्यम से प्राप्त कर जिलापूर्ति अधिकारी को उपलब्ध कराएं। साथ ही अपात्र परिवारों की भी सूची प्राप्त करें। जिलापूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि सभी अधिशासी अधिकारियों से मृतकों की सूची प्राप्त करें। जिलापूर्ति अधिकारी अनंत प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक लगभग 80 प्रतिशत कार्डधारकों-सदस्यों की ई-केवाईसी पूरी हो चुकी है। शेष परिवारों-सदस्यों की ओर से ई-केवाईसी में रुचि नहीं ली जा रही है। जिलाधिकारी ने जिलापूर्ति अधिकारी से कहा कि वह अपने स्तर से सभी क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी-पूर्ति निरीक्षकों को निर्देश दें कि वे लोग उचित दर दुकानों पर जाकर उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से अवशेष राशन कार्डों-सदस्यों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी जून तक पूरा कराएं। जिलाधिकारी ने रिक्त उचित दर दुकानों के सापेक्ष अविलंब नई उचित दर दुकानों के चयन का निर्देश संबंधित उपजिलाधिकारियों को दिया।

गैस भरते समय कार-ऑटो में लगी आग

हाथरस (उत्तरशक्ति)। सासनी क्षेत्र गांव गदाखेड़ा में 8 मई को सुबह करीब साढ़े 11 बजे अवैध तरीके से घरेलू गैस सिलिंडरों से ईको कार और ऑटो में गैस भरते समय आग लग गई, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। तब तक कार, ऑटो और अन्य सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड को मौके पर भारत गैस के घरेलू सिलिंडर भी मिले हैं, लेकिन मालिक अपने घर का ताला बंद कर फरार हो गया। अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं। दरअसल सोनू नाम का युवक गांव गदाखेड़ा में अपनी रिश्तेदारी में रहकर गाड़ियों में गैस भरने का काम करता है। ग्रामीणों ने बताया कि पिता की मौत होने के कारण वह 8 मई को अपने गांव बुलंदशहर गया था, जबकि उसके रिफिलिंग केंद्र पर गाड़ियों में गैस भरने का कार्य किया जा रहा था। गैस भरते समय अचानक ईको कार और ऑटो में आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी अपनी मच गई। सूचना पाकर कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन रिफिलिंग कर रहे लोग मकान का ताला बंद कर मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि कार में लगा गैस सिलिंडर नहीं फटा। अगर सिलिंडर फट जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। गैस भरवाने आए ऑटो चालक भी आग लगने के बाद अपने ऑटो छोड़कर मौके से फरार हो गए। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। फायर ब्रिगेड के इंचार्ज पीके अल्वी का कहना है कि मौके से पांच घरेलू सिलिंडरों को जब्त कर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। डीएसओ ने भी आठ भरे रसोई गैस सिलेंडर मौके पर पहुंचकर बरामद किए हैं ।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 15 लाख ठगे

कानपुर (उत्तरशक्ति)। बेटियों की सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर रेलबाजार निवासी दंपत्ति से 15 लाख रुपये ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर भोपाल निवासी आरोपी महिला और उसकी दो बेटियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। रेलबाजार के मीरपुर कैंट निवासी लियाकत हुसैन के अनुसार उनकी बेटियां सना फातिमा और हिना फातिमा ललितपुर के मैरोनी सीएचसी में संविदा पर कार्यरत थीं।

बेटियों को रोजाना कानपुर से ललितपुर आने जाने में समस्या हो रही थी। वर्ष 2021 में उनकी मुलाकात मध्य प्रदेश के भोपाल के गोविंदनगर की रहने वाली शहजहां खान से हुई। बातचीत के दौरान उसने भोपाल और दिल्ली में कई बड़े अधिकारियों से पहचान होने की जानकारी दी। बोली कि वह उनकी बेटियों को सरकारी अस्पताल या रेलवे में नौकरी लगवा देगी। शहजहां ने उनके शैक्षिक दस्तावेज भी मांगे।

जुलाई 2021 को उसने उन्हें कॉल कर बेटियों की नौकरी लगवाने के बदले तीन बार में 15 लाख रुपये ले लिए। मार्च 2022 में शहजहां ने दोबारा उन्हें कॉल कर बताया कि उनकी बेटियों की भोपाल में नौकरी लग गई है, जल्द ही ज्वाइनिंग लेटर आ जायेगा। तय समय बीत जाने के बाद भी बेटियों की नौकरी न मिलने पर उन्होंने शहजहां से रुपये की मांग की तो उसने टालमटोल की। वह भोपाल स्थित शहजहां के घर पहुंचे, जहां आरोपी और उसकी बेटी रूबी ने उनके साथ अभद्रता कर भगा दिया। शहजहां की दूसरी बेटी शिरीजा ने खुद को अधिवक्ता बताते हुए फर्जी मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दी। थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर पर धोखाधड़ी, धमकाने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूरः भारत की जवाबी कार्रवाई के समर्थन और आतंक के विरोध में उतरे कई देश

नई दिल्ली/मुंबई। भारत की ओर से पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर 6-7 मई की रात की गई एयर स्ट्राइक के बाद कई देशों ने भारत की जवाबी कार्रवाई का समर्थन करते हुए आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद की है। अमेरिका और इजरायल के अलावा कई देशों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। इसके अलावा कई देशों ने भारत और पाकिस्तान को शांति बरतने की अपील भी की है। दरअसल भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया और सीमा पार पीओके तथा पाकिस्तान के अंदर कई स्थानों पर आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाते हुए नौ उच्च-सटीक हमले किए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सैन्य प्रतिक्रिया को अपरिहार्य बताते हुए कहा, ह्यह्यमुझे लगता है कि लोगों को पता था कि कुछ होने वाला है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि स्थिति जल्दी ही शांत हो जाएगी। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दो पड़ोसियों के बीच संभावित युद्ध को देखते हुए अपनी चिंता को दोहराया। इस बीच, वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने पुष्टि की कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भारत की कार्रवाई के पीछे के कारणों को समझाने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री से बात की थी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस बात पर जोर देते हुए कि दुनिया दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव बर्दाश्त नहीं कर सकती, भारत और पाकिस्तान दोनों से संयम बरतने का आह्वान किया।

भारत की सैन्य कार्रवाई का स्पष्ट समर्थन करते हुए, भारत में इजरायल के राजदूत रियुवेन अजार ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की और भारत के आत्मरक्षा के अधिकार की पुष्टि की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, ह्इजरायल भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निदोर्षों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है। इस मुद्दे पर चीन ने जहां भारत की कार्रवाई को अफसोसजनक बताया, वहीं आतंकवाद की निंदा भी की। चीनी विदेश मंत्रालय ने तनाव बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ह्हम दोनों पक्षों से शांति और स्थिरता के व्यापक हित में कार्य करने, शांत रहने और ऐसी कार्रवाइयों से बचने का आग्रह करते हैं, जो स्थिति को और जटिल बना सकती हैं। वहीं तुर्की ने एक कदम आगे बढ़कर पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियान को अकारण आक्रामकता करार दिया।

इसके अलावा रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बढ़ते सैन्य टकराव पर गहरी चिंता व्यक्त की और दोनों पक्षों से इस स्थिति से पीछे हटने का आग्रह किया। फ्रांस और जापान ने भी सैन्य संयम बरतने का आह्वान किया और समाधान के लिए संवाद को एकमात्र स्थायी मार्ग बताया। इसी तरह, यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने कूटनीति के महत्व पर जोर दिया और दोनों देशों से आगे के संघर्ष से बचने का आग्रह किया। ऑपरेशन के बाद भारत अपने राजनयिक आउटरीच में सक्रिय रहा है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कतर के पीएम मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जस्सिम अल थानी के साथ बात की है। इस बीच, एनएसए अजीत डोभाल ने अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब, यूएई, जापान, रूस, चीन और फ्रांस के अपने समकक्षों के साथ वार्ता की। इसके अतिरिक्त, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी और गैर-स्थायी दोनों सदस्यों को जानकारी दी है।

इस मदर्स डे पर धरती माँ का भी रखिए खयाल

मुंबई। माँ का निस्वार्थ प्रेम, उनकी ताकत और स्नेह हर दिन हमारे जीवन को संवारता है। मदर्स डे, इस अनमोल रिश्ते का जश्न मनाने का एक खास मौका होता है। तो क्यों न इस बार अपने आभार के साथ-साथ धरती माँ का भी खयाल रखा जाए? इस साल पारंपरिक तोहफों से आगे बढ़िए और अपनी माँ को दीजिए एक ऐसा उपहार, जो पर्यावरण के प्रति जागरूकता और आपकी समझदारी दोनों दर्शाए। पेश हैं सात ऐसे संवहनीय (सस्टेनेबल) उपहारों के सुझाव, जो आपके इस दिन को यादगार बना सकते हैं। पौधों से भरा तोहफाः बीज लगे ग्रीटिंग कार्ड, घर में सजाने लायक हर्ब्स, बोन?साई किट या फूलों वाले पौधे -ये न सिर्फ घर की रौनक बढ़ाते हैं, बल्कि आपकी भावनाओं को भी लंबे समय तक ताजा रखते हैं। ऑर्गेनिक वेलनेस हैम्पर्सः ऑर्गेनिक चाय, आयुर्वेदिक स्किनकेयर, प्राकृतिक तेल और हाथ से बनी सुगंधित मोमबत्तियों का हैम्पर माँ को सुकून का एहसास दिलाएगा। अमाला अर्थ, अर्थी सापो या ऑर्गेनिक हार्वेस्ट जैसे प्लेटफॉर्म पर ऐसे ढेरों विकल्प मौजूद हैं। NueGo के साथ एक हरित यात्राः इलेक्ट्रिक बस सेवा NueGo के जरिये माँ को उनकी पसंदीदा जगह झ चाहे वह कोई धार्मिक स्थल हो या प्राकृतिक सौंदर्य से भरा इलाका झ घुमाने ले जाइए। यह यात्रा बिना प्रदूषण के, पूरी तरह आरामदायक होगी।

असामाजिक तत्वों ने तालाब में डाला जहर, लाखों की मछलियां मरीं

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सबरहद मोलनापुर गांव स्थित तालाब में बुधवार की देर रात असामाजिक तत्वों ने जहरीला केमिकल डाल दिया। जिससे लाखों रुपए की मछलियां मर गईं। यह घटना 10 बीघा इलाके में स्थित तालाब में हुई, जो मछली पालक महफूज आलम के लिए आजीविका का प्रमुख साधन था ।यह पहली बार नहीं है ।इससे पहले 21 अप्रैल को भी असामाजिक तत्वों ने इसी तालाब में जहरीला केमिकल डाला था। तब मछली पालक महफूज आलम ने शाहगंज पुलिस में तहरीर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। हालांकि, 15 दिन बाद भी कोई ठोस कार्यवाही न होने से अज्ञात बदमाशों के हौसले बुलंद हो गए हैं ।पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठते हुए स्थानीय लोग दबी आवाज में पूछ रहे हैं कि आखिरकार 15 दिन बीत जाने के बाद भी इस मामले का खुलासा क्यों नहीं हो सका। पीड़ित महफूज आलम ने इस मामले में पुलिस अधीक्षक से लेकर प्रदेश पुलिस के मुखिया डीजीपी तक से न्याय की गुहार लगाई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मछलियों की मौत से न केवल मछली पालकों को आर्थिक नुकसान हुआ है, बल्कि यह घटना स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गई है। क्षेत्र में बढ़ते असामाजिक तत्वों के हौसले और पुलिस की निष्क्रियता ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

बक्सा पुलिस ने अपहरण के आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्सा पुलिस टीम द्वारा अपहरण के आरोपी को किया गया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बक्सा पुलिस द्वारा थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में उ.नि. राकेश कुमार राय मय हमराही कर्मचारीगण के थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु.अ.सं. 324/2024 धारा 137(2) बीएनएस आरोपी आरोपी करन कुमार गिरी पुत्र रामसागर गिरी निवासी ग्राम कसेरवा थाना मीरगंज, जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष को मुखबिर की सुचना पर भोलेनाथ मन्दिर तिराहा धनियामऊ से आज 08.05.2025 को समय 09.15 बजे गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आंधी पानी से खेतासराय में 12 घंटे गुल रही बिजली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय आंधी और गरज चमक के साथ हुई बारिश के दौरान फाल्ट आने से बुधवार की अर्द्ध रात्रि नगर की बिजली गुल हो गई। गुरुवार को बिजली कर्मचारियों के प्रयास से लगभग 12 घंटे बाद बिजली आपूर्ति बहाल हुई। बिजली न रहने से उपभोक्ताओं को मुश्किलों का सामना करना पड़ा ।रात्रि करीब साढ़े बारह बजे मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ गया ।आंधी के साथ बादलों की गर्जना और चमक के बीच बारिश होने लगी। इस दौरान नगर की बिजली गायब हो गई। सुबह तक बिजली आपूर्ति न होने पर उपभोक्ताओं ने बिजली कर्मचारियों से संपर्क किया तो पता चला कि आंधी के दौरान 11 हजार की लाइन में कहीं फाल्ट आ गया है। कर्मचारियों के प्रयास से मनेछा में फाल्ट मिलने पर उसे दोहर लगभग डेढ़ बजे ठीक कर आपूर्ति बहाल की गई। इस बारे में जेई और एसडीओ के सीयूजी नंबर पर बात करने की कोशिश की गई तो मोबाइल बंद मिला। लाइमैन दयाराम ने बताया कि मनेछा के पास आंधी पानी के दौरान इंसुलेटर पंक्चर हो गया था। मरम्मत करने के बाद बिजली आपूर्ति चालू किया गया।

छात्रों ने उल्लास के साथ लगवाया टीडी का टीका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय डिप्थीरिया की रोकथाम को लेकर स्कूलों में टीकाकरण अभियान जारी है। गुरुवार को नेशनल चिल्ड्रेन स्कूल में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कक्षा पांच के छात्रों को टीडी वैक्सीन लगाई। छात्रों ने उत्साहपूर्वक वैक्सीन लगवाई। प्रिंसिपल राममूर्ति यादव ने अभियान को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया। टीकाकरण टीम में एएनएम तमन्ना और आशा कालिंदी पाठक रहीं।

काशी में पहली बार रैप साइफर, म्यूज़िकल सैटन्स ने दी युवा प्रतिभाओं को पहचान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बुंदीपारकोटा घाट पर हुआ आयोजन, विजेता कलाकारों को मिलेगा रिकॉर्ड डील का मौकावाराणसी। काशी में पहली बार म्यूज़िकल सैटन्स द्वारा बुंदीपारकोटा घाट पर भव्य रैप साइफर का आयोजन किया गया। जहां काशी के उभरते युवा रैपर्स ने अपनी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में म्यूज़िकल सैटन्स के संस्थापक विश्वजीत जयकर व उनकी टीम आराध्य, शुभम और प्रेम ने कलाकारों का निरीक्षण किया ।इस सफल आयोजन के माध्यम से कुछ चुने हुए कलाकारों को म्यूज़िकल सैटन्स के साथ साइन किया जाएगा, जिससे काशी के हिप-हॉप सीन को नई उड़ान मिलेगी और कलाकारों को देशव्यापी पहचान मिल सकेगी ।गौरतलब है कि म्यूज़िकल सैटन्स को पहले भी हनी सिंह और बादशाह जैसे दिग्गज कलाकारों से सोशल मीडिया पर शाउटआउट मिल चुका है, जो इस प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता और पहुंच को दशार्ता है।

जौनपुर कवियत्री रत्न से नवाजी गई सीमा सिंह, मानस परिवार की तरफ से आयोजित हुआ कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।शहर के टीडी इंटर कॉलेज में मानस परिवार की तरफ से एक कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें जौनपुर की सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाली व जिला महिला चिकित्सालय में एच आई वी से मुक्ति सलाहकार के पद नियुक्त सीमा सिंह को जौनपुर कवयित्री रत्न से नवाजा गया।इस मौके पर टी डी कॉलेज की पूर्व प्रधानाचार्य है डॉ माधुरी सिंह ने राम व रामचरितमानस के प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राम धर्म के साक्षात प्रतिमान है मानस जीवन जीने का मूल्य है ,वही आयोजक और मानस प्रवक्ता राकेश मिश्रा ने कहा कि भगवान राम को मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में जाना जाता है वह शक्ति ,न्याय, प्रेम और त्याग के मूल्यों के प्रतिरूप हैं। कार्यक्रम में पधारे हुए पूर्व जिला जज बी एन सिंह ने कहा कि राम समता और क्षमता को साथ लेकर चले थे प्रधानाचार्य डॉ सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि राम त्याग के प्रतीक हैं ,त्याग के बिना तेज का विस्तार नहीं होता। इस मौके पर कवित्री सीमा सिंह ने कहा कि राम कृपा के धाम है, वह दयालु है, वह अपने भक्तों को कभी मायूस नहीं होने देते वह हर कालखंड में विराजमान है। इस दौरान राकेश मिश्रा को रामचरितमानस के प्रचार प्रसार में सराहनीय भूमिका निभाने के लिए मानस रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ चंद्रलेखा सिंह ,रमेश सिंह सुनील सिंह ,संतोष श्रीवास्तव प्रवीण लता आदि उपस्थित रही।

बक्सा पुलिस टीम द्वारा दहेज हत्या में वांछित आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्सा पुलिस टीम द्वारा दहेज हत्या में वाछित आरोपियों को किया गया गिरफ्तार ।पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे । अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बक्सा पुलिस द्वारा थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में उ.नि. अटल बिहारी मिश्र मय हमराही के थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु.अ.सं.- 155/2025 धारा 85, 80(2) बीएनएस व 3/4 डी.पी. एक्ट थाना बक्शा जौनपुर के वांछित आरोपी विकास प्रजापति पुत्र रामचरित्तर प्रजापति निवासी ग्राम डीहजहनियां थाना बक्शा जनपद जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष व आरोपी, प्रेमा देवी उर्फ कुन्ती पत्नी रामचरित्तर प्रजापति निवासी ग्राम डीहजहनियां थाना बक्शा जनपद जौनपुर उम्र करीब 50 वर्ष को ग्राम डीहजहनियां से आज दिनांक 08.05.2025 को समय 08.30 बजे गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जौनपुरःकार और टेम्पो की भिड़ंत तीन घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।मड़ियाहूं स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के सरौना गांव में गुरुवार को अपरान्ह 3 बजे के लगभग टेंपो व कार की आमने-सामने हुई टक्कर में 3 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एक व्यक्ति को जिला अस्पताल रेफर किया गया तथा दो का उपचार चल रहा है। बताते हैं कि गुरुवार को अपरान्ह 3 बजे के लगभग बरसठी तिराहे से टेंपो सवारी लेकर बरसठी की तरफ जा रहा था । वह जैसे ही तिराहे से 500 मीटर आगे बरसठी रोड पर पहुंच गया कि बरसठी की तरफ से आ रही एक कार से जोरदार टक्कर हो गई जिससे टेंपो में बैठे अशफीलाल 45 वर्ष निवासी सरौना, भोलानाथ 55 निवासी बंजारी तथा सूबेदार सिंह निवासी गोंठाव घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं लाया गया जहां सूबेदार को जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाकी दो घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं में चल रहा है।

जौनपुर: शासन के रोक के बाद भी गाजी मियां के मेले में श्रद्धालुओं ने दी हाजिरी

आस्था के आगे प्रशासन की बंदिश पड़ी फीकी, महिलाओं ने कनूरी कर मांगी मुरादें

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमला और वक्फ बोर्ड आंदोलन को देखते हुए गाजी मियां के मेले पर रोक के बावजूद भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने खेतासराय कस्बा और मनेछा में पहुँचकर मन्नतें मांगी । हालाकि पुलिस की सख़्ती के चलते देर तक नही जमा हो सके। पारंपरिक लगने वाले मेले में सख़्ती के चलते दुकानें नदारत रही। पुलिस प्रशासन के निगरानी के बाद भी देर शाम तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा।

जायरीन उठाते थे तरबूज का लुत्फ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।संभल, बहराइच के बाद जौनपुर के खेतासराय में यहाँ मेले न लगने से छोटे दुकानदार के साथ बड़े दुकानदार मायूस दिखे । आस्था का प्रतीक इस मेले में एक माह पहले ही सर्कस, सौंदर्य के साथ खाने पीने की दुकानें लग जाती थी । सूत्रों की मानी जाय तो गाजी मियां के मेले में लाखों रुपया का व्यसाय होता रहा । लखनऊ का हलवा पराठा के साथ ही तरबूज की अधिक बिक्री होती थी । लोग जमकर तरबूज का लुत्फ उठाना नही भूलते ।

खेतासराय कस्बे के डोभी और मनेछा में स्तिथ दरगाह और खाली स्थानों पर मेले पहुँचे श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था प्रकट के साथ ही कनूरी कि पूजा कर रहे है। स्थानीय पुलिस मेले में आये श्रद्धालुओं को समझा बुझा कर वापस करती रही लेकिन शासन के बंदिश से अनजान श्रद्धालु पहुँचते रहे । आस्था के आगे पुलिस भी असहाय रही।

प्रशासन की पहले से शिकंजा कसने के चलते स्थानीय स्तर पर सक्रिय डफालीय नही दिखे। खास बात यह रही कि इस मेले में प्रतिबंध के बाद भी हिन्दू श्रद्धालुओं की सँख्या अधिक दिखी, जो गंगा जमुना तहजीब की संदेश देती है। थानाध्यक्ष रामाश्रय रॉय ने बताया कि इस बार मेले में शासन की तरफ से रोक लगाई थी । रोक के बाद भी श्रद्धलुओं आ गए थे उन्हें समझा बुझाकर वापस भेजा गया ।

जौनपुर:शादी का वादा कर युवती को लेकर युवक फुर्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के एक गाँव की युवती को शादी करने का वादा करके एक युवक अपने दोस्त के सहयोग से भोर में भगा ले गया। सुबह लड़की के घर मे नही मिलने पर परिजनों को जानकारी हुई। युवती के भाई ने आरोप लगाया है कि भोर में उसकी बहन को बगल के गांव का युवक अपने सहयोगी युवक की मदद से भगा ले गया। दोनों युवक अल्पसंख्यक समाज के हैं ।घटना के बाद युवती का भाई अपनी बहन को भगाने में मदद करने वाले युवक के घर शिकायत करने के लिये पहुंचा तो वहां उस युवक ने उसे गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही कर रही है।

सबसे महंगा है इस देश का परमाणु बम, भारत-पाक के एटम बम भी इसके सामने सस्ते

नईदिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी तनाव बढ़ता है, परमाणु हथियारों की चर्चा तेज हो जाती है। दोनों देशों के पास अच्छी-खासी संख्या में परमाणु हथियार हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे महंगा एटम बम किस देश के पास है? इसकी कीमत सुनकर आप चौंक जाएंगे।

फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका का इ61-12 न्यूक्लियर बम दुनिया का सबसे महंगा परमाणु हथियार है। इसकी कीमत लगभग 28 मिलियन डॉलर यानी करीब 2278 करोड़ रुपये है। यह बम इतना घातक है कि इसके इस्तेमाल से पहले ही दुश्मन देशों की चिंता बढ़ जाती है। इस बम को गिराने के लिए न केवल स्पेशल एयरक्राफ्ट बल्कि लॉन्चिंग सिस्टम, मिसाइल और लॉजिस्टिक सपोर्ट की जरूरत होती है। इसका मतलब यह है कि इसकी कीमत सिर्फ बम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे चलाने की पूरी प्रणाली मिलाकर यह दुनिया का सबसे महंगा न्यूक्लियर सिस्टम बन जाता है। भारत के पास लगभग 180 परमाणु हथियार हैं। भारत की नीति 'पहले इस्तेमाल नहीं' (No First Use) पर आधारित है, लेकिन अगर दुश्मन हमला करता है तो भारत के पास मुंहतोड़ जवाब देने की ताकत है। भारत के परमाणु हथियार जमीन, समुद्र और हवा तीनों से दागे जा सकते हैं, जिसे 'त्रि-स्तरीय क्षमता' कहा जाता है। पाकिस्तान के पास लगभग 170 न्यूक्लियर हथियार हैं। लेकिन पाकिस्तान की आर्थिक हालत इतनी खराब है कि अगर वह अपने परमाणु हथियार बेच दे, तो भी देश का कर्ज पूरी तरह नहीं चुक सकता। एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कुल अनुमानित कीमत 4455 करोड़ डॉलर है जबकि पाकिस्तान का विदेशी कर्ज 2740 करोड़ डॉलर के करीब है।

भारत ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़ा कदम उठाया है। भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के बहावलपुर में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को स्कैल्प और हैमर मिसाइलों से निशाना बनाया। यह कार्रवाई 15 दिन के अंदर हुई और इसका संदेश साफ था झ भारत अब आतंक के खिलाफ चुप नहीं बैठेगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध पूरी तरह से बंद कर दिए हैं। अब न भारत पाकिस्तान को कुछ निर्यात करता है, न ही आयात।

जौनपुर:शासन के रोक के बाद भी गाजी मियां के मेले में श्रद्धालुओं ने दी हाजिरी

आस्था के आगे प्रशासन की बंदिश पड़ी फीकी, महिलाओं ने कनूरी कर मांगी मुरादें

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमला और वक्फ बोर्ड आंदोलन को देखते हुए गाजी मियां के मेले पर रोक के बावजूद भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने खेतासराय कस्बा और मनेछा में पहुँचकर मन्नतें मांगी । हालाकि पुलिस की सख़्ती के चलते देर तक नही जमा हो सके। पारंपरिक लगने वाले मेले में सख़्ती के चलते दुकानें नदारत रही। पुलिस प्रशासन के निगरानी के बाद भी देर शाम तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा।

जायरीन उठाते थे तरबूज का लुत्फ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।संभल, बहराइच के बाद जौनपुर के खेतासराय में यहाँ मेले न लगने से छोटे दुकानदार के साथ बड़े दुकानदार मायूस दिखे । आस्था का प्रतीक इस मेले में एक माह पहले ही सर्कस, सौंदर्य के साथ खाने पीने की दुकानें लग जाती थी । सूत्रों की मानी जाय तो गाजी मियां के मेले में लाखों रुपया का व्यसाय होता रहा । लखनऊ का हलवा पराठा के साथ ही तरबूज की अधिक बिक्री होती थी । लोग जमकर तरबूज का लुत्फ उठाना नही भूलते ।

खेतासराय कस्बे के डोभी और मनेछा में स्तिथ दरगाह और खाली स्थानों पर मेले पहुँचे श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था प्रकट के साथ ही कनूरी कि पूजा कर रहे है। स्थानीय पुलिस मेले में आये श्रद्धालुओं को समझा बुझा कर वापस करती रही लेकिन शासन के बंदिश से अनजान श्रद्धालु पहुँचते रहे । आस्था के आगे पुलिस भी असहाय रही।

प्रशासन की पहले से शिकंजा कसने के चलते स्थानीय स्तर पर सक्रिय डफालीय नही दिखे। खास बात यह रही कि इस मेले में प्रतिबंध के बाद भी हिन्दू श्रद्धालुओं की सँख्या अधिक दिखी, जो गंगा जमुना तहजीब की संदेश देती है। थानाध्यक्ष रामाश्रय रॉय ने बताया कि इस बार मेले में शासन की तरफ से रोक लगाई थी । रोक के बाद भी श्रद्धलुओं आ गए थे उन्हें समझा बुझाकर वापस भेजा गया ।

जौनपुर:शादी का वादा कर युवती को लेकर युवक फुर्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के एक गाँव की युवती को शादी करने का वादा करके एक युवक अपने दोस्त के सहयोग से भोर में भगा ले गया। सुबह लड़की के घर मे नही मिलने पर परिजनों को जानकारी हुई। युवती के भाई ने आरोप लगाया है कि भोर में उसकी बहन को बगल के गांव का युवक अपने सहयोगी युवक की मदद से भगा ले गया। दोनों युवक अल्पसंख्यक समाज के हैं ।घटना के बाद युवती का भाई अपनी बहन को भगाने में मदद करने वाले युवक के घर शिकायत करने के लिये पहुंचा तो वहां उस युवक ने उसे गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही कर रही है।

इजराइल ने भी अपने नागरिकों को किया अलर्टः कश्मीर से तुरंत बाहर निकलें, खतरा बेहद गंभीर!

नईदिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर इजराइल ने अपने नागरिकों के लिए मौजूदा यात्रा परामर्श को अद्यतन किया है, जिसमें कश्मीर क्षेत्र में रहने वाले लोगों से ह्यतुरंत इलाका छोड़ने' का आग्रह किया गया है। संशोधित परामर्श भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकी ठिकानों पर हमले किए जाने के बाद बुधवार को आया। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास सीमावर्ती गांवों को निशाना बनाकर तेज गोलाबारी की। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने इजराइल के नागरिकों से लद्दाख के अतिरिक्त जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में जाने से बचने का आह्वान किया। मंत्रालय ने कहा कि कश्मीर में मौजूद इजराइलियों को तुरंत इलाका छोड़ देना चाहिए' और स्थानीय सुरक्षा बलों के निदेर्शों का पालन करना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि यह परामर्श संयुक्त राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा जारी मौजूदा यात्रा परामर्श के अनुरूप है। भारत ने मंगलवार देर रात ऑपरेशन सिंदूर' के तहत, 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।